समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन (CCT) अभ्यास - 1, कक्षा - 7

विषय - हिन्दी

यू.टी. चंडीगढ़, शिक्षा विभाग

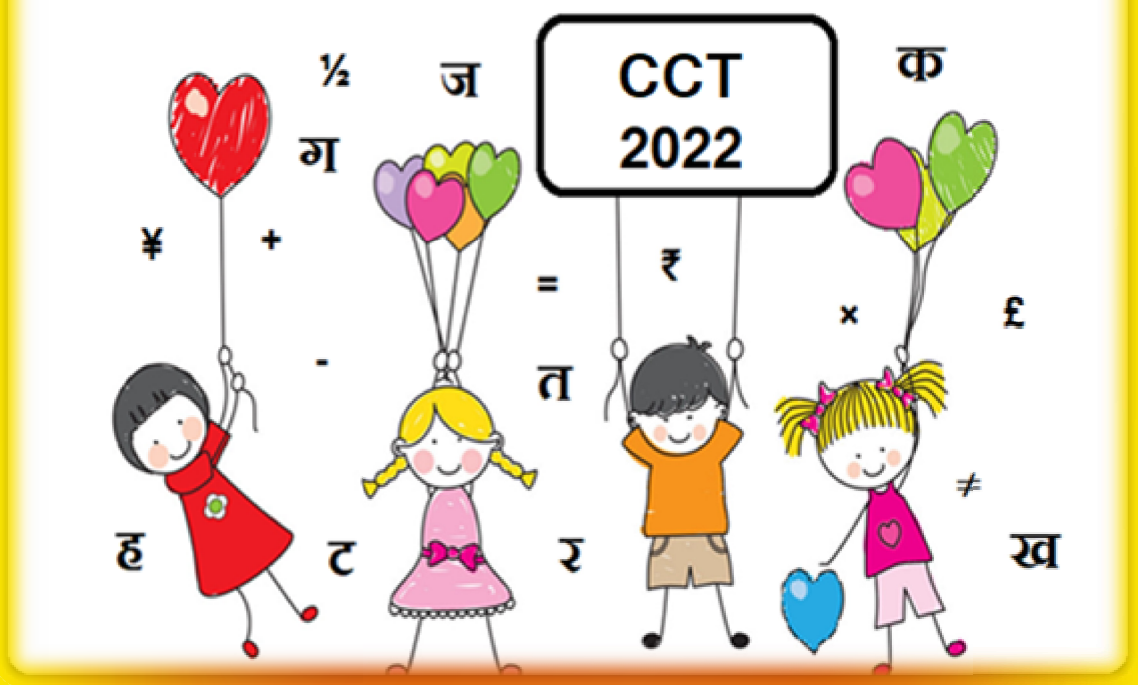

संकलित - राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर - 8, चंडीगढ़।

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा सातवीं) भाग - 1

प्रस्तावना :

प्रस्तुत पुस्तिका का निर्माण सन् 2022 में आयोजित होने वाली पीसा परीक्षा को ध्यान में रखकर किया गया है। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन कौशल की समझ विकसित करना है ताकि भाषाई समझ, तथ्य विश्लेषण-ग्रहण एवं आलोचनात्मक चिंतन आदि की ओर प्रवृत्त हों। जीवन के विविध आयामों तक विद्यार्थी की समझ विकसित हो और गणित के प्रति अभिरुचि बढ़े। वह सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार बने और ज्ञान के लिए पाठ्य पुस्तकों से इतर दुनिया की ओर अग्रसर हो।

सहयोग समिति :

प्राचार्या श्रीमती रंजना श्रीवास्तव, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 8,चंडीगढ़

प्राचार्या श्रीमती डॉ प्रीति गर्ग राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 23, चंडीगढ़

निर्माण समिति:

1. नरेंद्र सिंह, दृष्टि बाधितार्थ संस्थान, सेक्टर 26, चंडीगढ़
2. बृजरानी राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चंडीगढ़
3. रेनू कटोच राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 37, चंडीगढ़
4. नीलम चोपड़ा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 27, चंडीगढ़
5. नीना राणा राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 42, चंडीगढ़
6. कपिल शर्मा राजकीय उच्च विद्यालय, सेक्टर 53, चंडीगढ़
7. डॉ० दिनेश चंद्र राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 12, चंडीगढ़
8. जसविंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22, चंडीगढ़
9. रीता वसिष्ट राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, पॉकेट नंबर 1, मनीमाजरा, चंडीगढ़
10. किरण बाला राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 26, टिंबर मार्केट, चंडीगढ़
11. गौरव कुमार राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़

दिशा निर्देश

शिक्षक रणनीति (कैसे सिखाना है) :

-कहानियों के विभिन्न हिस्सों के लिए विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करेंगे।

- मौन वाचन
- विद्यार्थियों को समूह में बांटकर सस्वर वाचन
- एक विद्यार्थी द्वारा संपूर्ण कक्षा के समकक्ष वाचन
- समूह चर्चा
- अध्यापक : एक स्त्रोत

दक्षताएँ :

- वार्तालाप
- रचनात्मक सोच
- सूचनाओं की पुन:प्राप्ति
- समस्या समाधान
- कल्पनात्मकता का विकास

विभिन्न आयाम:

- कला एवं साहित्य
- गणित
- समाज व पर्यावरण
- विज्ञान

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा सातवीं) भाग - 1

	Reading Literacy (Hindi)			
	Class : 7 Part -1 आयु वर्ग : 12 - 13 वर्ष			
Serial No. प्रतिमान संख्या	Name of the Module प्रतिमान का नाम	Taxonomy	Source	Page No.
1	अक्षरों का महत्व	Understand Analyze	पाठ्य-पुस्तक वसंत भाग - 2	6
2	हिमालय की बेटियाँ	Understand Evaluate	पाठ्य-पुस्तक वसंत भाग - 2	9
3	मिठाईवाला	Remember Analyze	पाठ्य-पुस्तक वसंत भाग - 2	13
4	रक्त और हमारा शरीर	Remember Evaluate	पाठ्य-पुस्तक वसंत भाग - 2	16
5	कंचा	Understand Apply	पाठ्य-पुस्तक वसंत भाग - 2	20
6	रक्त और हमारा शरीर	Understand Create	समाचार पत्र	23
7	रक्त और हमारा शरीर	Remember Apply	पाठ्य-पुस्तक वसंत भाग - 2	26
8	आश्रम का अनुमानित व्यय	Understand Evaluate	पाठ्य-पुस्तक वसंत भाग - 2	29
9	वीर कुँवर सिंह	Understand Analyze	पाठ्य-पुस्तक वसंत भाग - 2	32
10	गद्यांश	Understand Apply	इंटरनेट से साभार	36
11	गद्यांश	Remember Create	इंटरनेट से साभार	40
12	चित्र	Understand Apply	समाचार पत्र	43
13	आम का बगीचा	Understand	स्वरचित	47

		Evaluate		
14	ब्रेल लिपि	Remember Create	इंटरनेट से साभार	50
15	चित्र	Understand Analyze	पत्रिका	53
16	चित्र	Understand Analyze	पत्रिका	57
17	गद्यांश	Understand Apply	पत्रिका	61
18	गद्यांश	Remember Create	इंटरनेट से साभार	65
19	कहानी	Understand Analyze	नैतिक कहानी संग्रह	69
20	भारतीय ऋषि मुनि व वैज्ञानिक	Remember Create	पत्रिका	73
21	पर्यावरण संतुलन	Understand Analyze	इंटरनेट से साभार	77
22	कंचा	Understand Analyze	पाठ्य-पुस्तक वसंत भाग - 2	80
23	आश्रम का अनुमानित व्यय	Understand Analyze	पाठ्य-पुस्तक वसंत भाग - 2	84
24	समय का महत्व	Remember Create	इंटरनेट से साभार	88
25	बाल मज़दूरी	Understand Apply	समाचार पत्र	92

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा सातवीं) भाग - 1

स्रोत - पाठ्य पुस्तक - वसंत भाग-दो	कक्षा - 7	प्रतिमान-1
पाठ का प्रकार - गदयांश	उपविषय - अक्षरों का महत्व	

सीखने के प्रतिफल :

- विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं।
- किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।
- पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं, परिचर्चा करते हैं।
- किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पढ़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री जैसे -शब्दकोष , मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।
- हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री समाचार-पत्र /पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं।

प्रतिमान-1

आदमी ने जब से लिखना शुरू किया तब से ही 'इतिहास' आरंभ हुआ। किसी भी कौम या देश का इतिहास तब से शुरू होता है जब से आदमी के लिखे हुए लेख मिलने लग जाते हैं। इस प्रकार, इतिहास को शुरू हुए मुश्किल से 6000 साल हुए हैं। उसके पहले के काल को 'प्रागैतिहासिक काल' यानि इतिहास के पहले का काल कहते हैं। अक्षरों की खोज मनुष्य की सबसे बड़ी खोज है। अक्षरों की खोज करने के बाद ही मनुष्य अपने विचारों को लिखकर रखने लगा। इस प्रकार, एक पीढ़ी के ज्ञान का इस्तेमाल दूसरी पीढ़ी करने लगी। अक्षरों की खोज करने के बाद पिछले 6000 सालों में मानव जाति का तेजी से विकास हुआ।

पुराने जमाने के लोग सचमुच ही सोचते थे कि अक्षरों की खोज ईश्वर ने की है। पर आज हम जानते हैं कि अक्षरों की खोज किसी ईश्वर ने नहीं बल्कि स्वयं आदमी ने की है। अब तो हम यह भी जानते हैं कि किन अक्षरों की खोज किस देश में किस समय हुई। हमारी धरती लगभग 5 अरब साल पुरानी है। दो-तीन अरब साल तक इस धरती पर किसी प्रकार के जीव जंतु नहीं थे, फिर करोड़ों साल तक केवल जानवरों और वनस्पतियों का ही इस धरती पर राज्य रहा। आदमी ने इस धरती पर कोई 500000 साल पहले जन्म लिया धीरे-धीरे उसका विकास हुआ, कोई 10000 साल पहले आदमी ने गांव को बसाना शुरू किया, तब जाकर काफी बाद में आदमी ने अक्षरों की खोज की। अक्षरों की खोज के सिलसिले को शुरू हुए मुश्किल से छह हजार साल हुए हैं। अक्षरों की खोज के साथ एक नए युग की शुरुआत हुई। आदमी अपने विचार और हिसाब-किताब लिख कर रखने लगा। तब से मानव को सभ्य कहा जाने लगा।

प्रश्न 1. मानव 'सभ्य' कब कहा जाने लगा ?

प्रश्न 2. अक्षरों की खोज के सिलसिले को शुरू हुए ---------- साल हुए हैं।

क- 8000 साल ख- 5000 साल

ग- 6000 साल घ- 500000000 साल

प्रश्न 3. गांव के बसने और अक्षरों की खोज के समय में कितना अंतर है?

क- 16 हजार साल ख- 4 हजार साल

ग- 5 अरब साल घ- करोड़ो साल

प्रश्न 4. गद्यांश में आई संख्याओं को बढ़ते क्रम में लिखिए ।

प्रश्न 5. अक्षरों की खोज से पहले मनुष्य परस्पर कैसे व्यवहार करते होंगे?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत

2	विवेचन	बहुविकल्पीय	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	कठिन
4	विश्लेषण	तुलनात्मक	कठिन
5	सृजन	तार्किक	कठिन

उत्तरमाला :

1. Full Credit : जब से वह अपने विचार और हिसाब किताब लिखकर रखने लगा।

   Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2. Full Credit : ग) 6000 साल

   No Credit : अन्य विकल्प

3. Full Credit : ख) 4 हज़ार साल

   No Credit : अन्य विकल्प

4. Full Credit : छह हज़ार, दस हज़ार, पाँच लाख, पाँच अरब

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5. Full Credit : संकेतों, अनेक प्रकार की आवाजों, चित्रों के माध्यम से

   Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

स्रोत - पाठ्य पुस्तक - वसंत भाग-दो	कक्षा - 7	प्रतिमान-2
पाठ का नाम - अनुच्छेद	उपविषय - हिमालय की बेटियाँ	

सीखने के प्रतिफल :

- **विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं।**
- **विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्राकृतिक मुद्दो/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रतिक्रिया देते हैं। जैसे -जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाजों के बारे में मौखिक रूप से अपनी तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं।**
- **किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पढ़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री जैसे -शब्दकोष , मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।**
- **विविध कलाओं जैसे -हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी, नृत्य कला करते हुए उसकी सराहना करते हैं।**

प्रतिमान-2

कहाँ ये भागी जा रही है? वह कौन लक्ष्य है जिसने इन्हें बेचैन कर रखा है? अपने महान पिता का विराट प्रेम पाकर भी अगर इनका हृदय अतृप्त ही है तो वह कौन होगा जो इन की प्यास मिटा सकेगा? बरफ जली नंगी पहाड़ियाँ, छोटे-छोटे पौधों से भरी घाटियाँ, बधुर अधित्यकाएं, सरसब्ज ऊपत्यकाएँ- ऐसा है इनका लीला निकेतन! खेलते-खेलते जब यह जरा दूर निकल जाती हैं तो देवदार, चीड़, सरो, चिनार,सफेदा,कैल के जंगलों में पहुंचकर शायद इन्हें बीती बातें याद करने का मौका मिल जाता होगा। कौन जाने, बुड्ढा हिमालय अपनी इन नटखट बेटियों के लिए सिर धुनता होगा! बड़ी-बड़ी चोटियों से जाकर पूछिए तो उत्तर में विराट मौन के सिवाय उनके पास और रखा ही क्या है? सिंधु और ब्रह्मपुत्र- ये दो ऐसे नाम हैं जिनके सुनते ही रावी, सतलुज, व्यास, चिनाब, झेलम, काबुल(कुभा), कपिसा, गंगा, यमुना, सरयू, गंडक, कोसी आदि हिमालय की छोटी-बड़ी सभी बेटियां आँखों के सामने नाचने लगती हैं। वास्तव में सिंधु

और ब्रह्मपुत्र स्वयं कुछ नहीं हैं। दयालु हिमालय के पिघले हुए दिल की एक-एक बूंद न जाने कबसे इकट्ठा होकर इन दो महानगदों के रूप में समुद्र की ओर प्रवाहित होती रही है। कितना सौभाग्यशाली है वह समुद्र जिसे पर्वतराज हिमालय की इन दो बेटियों का हाथ पकड़ने का श्रेय मिला।

जिन्होंने मैदानों में ही इन नदियों को देखा होगा उनके ख्याल में शायद ही यह बात आ सके कि बूढ़े हिमालय की गोद में बच्चियाँ बनकर ये कैसा खेला करती हैं। माँ-बाप की गोद में नंग धड़ंग होकर खेलने वाली इन बालिकाओं का रूप पहाड़ी आदमियों के लिए आकर्षक भले ना हो, लेकिन मुझे तो लुभावना प्रतीत हुआ। वह रूप कि हिमालय को ससुर और समुद्र को उसका दामाद कहने में कुछ भी झिझक नहीं होती है।

प्रश्न 1 हिमालय से निकलने वाली नदियाँ किन-किन सागरों में मिलती हैं -

क- हिंद महासागर ख- अरब सागर बंगाल की खाड़ी

ग- अंध महासागर घ- प्रशांत महासागर

प्रश्न 2 पहाड़ी क्षेत्रों में पाए जाने वाले पेड़ों के नाम व उनके लाभ लिखो ।

प्रश्न 3 हिमालय की किन्हीं तीन बेटियों के नाम लिखो ।

1 ---------- 2 ---------- 3 ----------

प्रश्न 4 बुड्ढा हिमालय अपनी नटखट बेटियों के लिए कितना सिर धुनता होगा। वाक्य में आए मुहावरे चुनकर अपने वाक्य में प्रयोग करें।

प्रश्न 5 भारत देश में अनेकों नदियों का जाल फैला है फिर भी देश में पीने के पानी की कमी क्यों है?

प्रश्न 6 पहाड़ के ऊपर की समतल भूमि को कहा जाता है -

क- उपत्यकाएँ ख- चोटी ग- हिमालय घ- अधित्यकाएँ

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	रचनात्मक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
4	सृजन	रचनात्मक	कठिन
5	विवेचन	तार्किक	कठिन
6	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	कठिन

उत्तरमाला :

1. Full Credit : ख) अरब सागर बंगाल की खाड़ी

   No Credit : अन्य विकल्प

2. Full Credit : देवदार, चीड़, सरो, चिनार, सफेदा, कैल। पर्यावरण को साफ़, फलों व सब्ज़ियों की प्राप्ति इत्यादि।

   Partial Credit : उपरोक्त में से पेड़ों का कोई भी एक नाम व लाभ

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

3. Full Credit : गद्यांश में लिखित कोई भी तीन नदियां

   Partial Credit : गद्यांश में लिखित कोई भी एक नदी

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4. Full Credit : सिर धुनता, वाक्य में प्रयोग

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : जल-प्रदूषण के कोई दो कारण

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

6 Full Credit : घ) अधित्यकाएँ

No Credit : अन्य विकल्प

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा सातवीं) भाग - 1

स्रोत - पाठ्य पुस्तक - वसंत भाग-दो	कक्षा - 7	प्रतिमान-3
पाठ का नाम - गदयांश	उपविषय - मिठाईवाला	

सीखने के प्रतिफल :

- किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।
- अपने परिवेश में मौजूद लोक कथाओं और लोकगीतों के बारे में चर्चा करते हैं और उनकी सराहना करते हैं।
- विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्राकृतिक मुद्दो/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रतिक्रिया देते हैं। जैसे -जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाजों के बारे में मौखिक रूप से अपनी तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं।
- विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।

प्रतिमान-3

नगर में दो-चार दिनों से एक मुरली वाले के आने का समाचार फैल गया। लोग कहने लगे- “भाई वाह! मुरली बजाने में वह एक ही उस्ताद है। मुरली बजाकर, गाना सुना कर वह मुरली बेचता भी है, सो भी दो-दो पैसे में । भला, इसमें उसे क्या मिलता होगा? मेहनत भी ना आती होगी।” एक व्यक्ति ने पूछ लिया-“कैसा है वह मुरली वाला, मैंने तो नहीं देखा।” उत्तर मिला- “उम्र तो उसकी अधिक ना होगी, यही तीस-बत्तीस का होगा। दुबला-पतला, गोरा युवक है, बीकानेरी रंगीन साफा बाँधता है। “वही तो नहीं; जो पहले खिलौने बेचा करता था।” “क्या वह पहले खिलौने भी बेचा करता था?”

मुरली वाला एकदम अप्रतिभ हो उठा। बोला- “आपको क्या पता बाबूजी कि इनकी असली लागत क्या है! यह तो ग्राहकों का दस्तूर होता है कि दुकानदार चाहे हानि उठाकर चीज क्यों ना बेंचें, पर ग्राहक यही समझते हैं-दुकानदार मुझे लूट रहा है। आप भला काहे को विश्वास करेंगे? लेकिन

सच पूछिए तो बाबू जी,असली दाम दो ही पैसा है। आप कहीं से दो पैसे में मुरली नहीं पा सकते। मैंने तो पूरी 1000 बनवाई थी, तब मुझे इस भाव में पड़ी हैं।"

प्रश्न-1 मिठाई वाला बच्चों से जुड़ी हुई चीजें ही क्यों बेचता था ?

क- चीजें सस्ती मिलती है।

ख- हां उसे बच्चों से लगाव था।

ग- इन बच्चों में अपने बच्चों की झलक देखता था।

घ- ताकि मौका मिलने पर बच्चों का अपहरण कर सके।

प्रश्न-2 "दुबला-पतला गोरा युवक है, बीकानेरी रंगीन साफा बांधता है।" आपके आसपास के राज्यों में पुरुष सिर पर क्या बांधते हैं/पहनते हैं?

प्रश्न-3 फेरीवालों के अलावा और किस माध्यम से सामान नहीं खरीदा जा सकता है?

क- ऑनलाइन शॉपिंग ख- मॉल

ग-घर घ- बाजार

प्रश्न-4 "मुरलीवाला दो-दो पैसों में मुरलियाँ बेचता था"। ₹2 रुपये में कितनी मुरलियाँ आएंगी?

प्रश्न-5 क्या आने वाले समय में फेरीवालों का अस्तित्व रह पाएगा? लिखें।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
2	विश्लेषण	तुलनात्मक	औसत
3	व्यापक समझ	बहु विकल्पीय	औसत
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन
5	सृजन	वर्णनात्मक	कठिन

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा सातवीं) भाग - 1

उत्तरमाला :

1 Full Credit : ग) इन बच्चों में अपने बच्चों की झलक देखता था

No Credit : अन्य विकल्प

2 Full Credit : टोपी, पगड़ी, साफ़ा इत्यादि, साथ में राज्यों के नाम

Partial Credit : एक राज्य से संबंधित उत्तर No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

3 Full Credit : ख) घर

No Credit : अन्य विकल्प

4 Full Credit : 100 मुरलियाँ

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : हाँ/नहीं तर्क सहित

Partial Credit : हाँ/नहीं तर्क रहित

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा सातवीं) भाग - 1

स्रोत - पाठ्य पुस्तक - वसंत भाग-दो	कक्षा - 7	प्रतिमान-4
पाठ का नाम - गदयांश	उपविषय - रक्त और हमारा शरीर	
सीखने के प्रतिफल : • विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं। • पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतरतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं, परिचर्चा करते हैं। • पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। • अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।		

प्रतिमान-4

"लालकण बनावट में बालूशाही की तरह होते हैं। गोल और दोनों तरफ अवतल, यानी बीच में दबे हुए। रक्त की एक बूंद में इनकी संख्या लाखों में होती है। यदि हम 1 मिलीमीटर रक्त लें तो उसमें हमें 40 से 55 लाख कण मिलेंगे। इनके कारण ही हमें रक्त लाल रंग का नजर आता है। ये कण शरीर के लिए दिन-रात काम करते हैं। साँस लेने पर साफ हवा में जो ऑक्सीजन तुम प्राप्त करते हो उसे शरीर के हर हिस्से में पहुँचाने का काम इन कणों का ही है। इनका जीवन काल लगभग 4 महीने होता है। चार महीने के होते होते ये नष्ट हो जाते हैं। लेकिन एक साथ नहीं, धीरे-धीरे। कुछ आज, कुछ कल, कुछ उससे अगले दिन----"।"तब तो कुछ ही महीनों में ये खत्म हो जाते होंगे", अनिल ने कहा। यह सुनकर डॉक्टर दीदी मुस्करा उठी। बोली, "नहीं, ऐसा नहीं होता। शरीर में हर समय नए-नए कण बनते रहते हैं जो नष्ट कणों का स्थान ले लेते हैं। हड्डियों के बीच के भाग मज्जा में ऐसे बहुत से कारखाने होते हैं जो रक्त कणों के निर्माण -कार्य में लगे रहते हैं। इनके लिए इन कारखानों को प्रोटीन, लौह तत्व और विटामिन रूपी कच्चे माल की जरूरत होती है। यह पौष्टिक आहार लेते हो? हरी सब्जी, फल, दूध, अंडा और गोश्त में यह तत्व उपयुक्त मात्रा में होते हैं। यदि कोई व्यक्ति उचित आहार ग्रहण नही करता है तो इन कारखानों को आवश्यकतानुसार कच्चा माल नही मिल

पाता। नतीजा यह होता है कि रक्त-कण नही बन पाते। रक्त में इनकी कमी हो जाती है। लाल कणों की इसी कमी को एनीमिया कहते हैं। “तो क्या संतुलित आहार लेने मात्र से हम बचे रह सकते हैं?” अनिल ने सवाल किया। दीदी बोलीं, “हाँ यह कहना काफी हद तक सही होगा। यों तो एनीमिया बहुत से कारणों से हो सकता है, किन्तु हमारे देश मे इसका सबसे बड़ा कारण पौष्टिक आहार की कमी है। इसके अलावा इस रोग का एक और बड़ा कारण है, पेट में कीड़ों का हो जाना। यह कीड़े प्राय: दूषित जल और खाद्य पदार्थों द्वारा हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं। अतः इनसे बचने के लिए यह आवश्यक है कि हम पूरी सफाई से बनाए गए खाद्य-पदार्थ ही ग्रहण करें। भोजन करने से पूर्व अच्छी तरह से हाथ धो लें और साफ पानी ही पिए और हां, अनिल एक किस्म के कीड़े भी हैं,जिनके अंडे जमीन की ऊपरी सतह में पाए जाते हैं। इनसे उत्पन्न हुए लार्वे त्वचा के रास्ते शरीर में प्रवेश कर आंतों में अपना घर बना लेते हैं। इनसे बचने का सहज उपाय है कि शौच के लिए हम शौचालय का ही प्रयोग करें और इधर-उधर नंगे पैर ना घूमें।”

प्रश्न 1- रक्त में लाल कणों की बनावट कैसी होती है?

क- गोल और उत्तल ख- चपटा और अवतल

ग-गोल और अवतल घ- गोल और चपटा

प्रश्न 2- हमारे शरीर में लाल रक्त कणों का क्या कार्य है?

प्रश्न 3- 1 मिलीलीटर रक्त में पचपन लाख कण होते हैं। 17 मिलीलीटर रक्त में कितने लाख कण होंगे? सही उत्तर का चुनाव करें ।

क- 930 ख- 903 ग- 935 घ- 940

प्रश्न 4- शरीर के हर हिस्से में ऑक्सीजन कौन पहुंचाता है?

क- फेफड़े ख- नाक ग- सांस नली घ- लालकण

प्रश्न 5- हमारे शरीर में रक्त की कमी के क्या परिणाम हो सकते हैं?

प्रश्न 6- पौष्टिक आहार मे किन-किन खाद्य पदार्थों को शामिल कर सकते हैं?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	व्याख्यात्मक	औसत
3	विश्लेषण	बहुविकल्पीय	कठिन
4	विवेचन	बहुविकल्पीय	औसत
5	विवेचन	व्याख्यात्मक	कठिन
6	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1 Full Credit : ग) गोल और अवतल

No Credit : अन्य विकल्प

2 Full Credit : शरीर के लिए दिन-रात काम करना, ऑक्सीजन को शरीर के हर हिस्से तक पहुँचाना

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

3 Full Credit : ग) 935

No Credit : अन्य विकल्प

4 Full Credit : घ) लालकण

No Credit : अन्य विकल्प

5 Full Credit : कारण सहित परिणाम (एनीमिया)

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा सातवीं) भाग - 1

स्रोत - पाठ्य पुस्तक - वसंत भाग-दो	कक्षा - 7	प्रतिमान-5
पाठ का नाम - कंचा	उप विषय - सहयोग	

सीखने के प्रतिफल :

- किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।
- विविध कलाओं, जैसे प्रयोग होने वाली भाषा के बारे में जिज्ञासा व्यक्त करते हैं, उन्हें समझने का प्रयास करते हैं।
- किसी पाठ्यवस्तु की बारीकी से जांच करते हुए उसमें किसी विशेष बिंदु को खोजते हैं।
- विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।
- हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री)समाचार-पत्र /पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि (को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं।
- भीत्ति पत्रिका/पत्रिका आदि के लिए तरह-तरह की सामग्री जुटाते हैं, लिखते हैं और उनका संपादन करते हैं।

प्रतिमान-5

लड़कों के बीच जॉर्ज ही सबसे अच्छा कंचे का खिलाड़ी है। कितना भी बड़ा लड़का उसके साथ खेले, जॉर्ज से मात खाएगा। हारने पर यूं ही विदा नहीं हो सकता। हारे हुए को अपनी बंद मुट्ठी जमीन पर रखनी होगी। तब जॉर्ज कंचा चला कर बंद मुट्ठी के जोड़ों की हड्डी तोड़ेगा। जॉर्ज क्यों नहीं आया? अरे हाँ! जॉर्ज को बुखार है न! उसे राम ने यह सूचना दी थी। उसने मल्लिका को सब बताया था। जॉर्ज का घर रामन के घर के रास्ते में पड़ता है। अप्पू कक्षा की तरफ ध्यान नहीं दे रहा है।

उसने हड़बड़ी में पुस्तक खोलकर सामने रख ली। रेलगाड़ी का सबक था। रेलगाड़ी------ रेलगाड़ी। पृष्ठ सैंतीस। घर पर उसने पाठ पढ़ लिया है। मास्टर जी बीच बीच में बेंत से मेज

ठोंकते हुये ऊंची आवाज में कह रहे थे-बच्चों! “तुम में से कई ने रेल गाड़ी देखी होगी। उसे भाप की गाड़ी भी कहते हैं क्योंकि उसका यंत्र भाप की शक्ति से ही चलता है भाप का मतलब पानी से निकलती भाप से है।” तुम लोगों के घरों के चूल्हे में भी-----।

अप्पू ने भी सोचा- रेलगाड़ी! उसने रेलगाड़ी देखी है। छुक-छुक-----यही रेलगाड़ी है। वह भाप की भी गाड़ी का मतलब-------। मास्टर जी की आवाज अब कम ऊंची थी। वे रेलगाड़ी के हर एक हिस्से के बारे में समझा रहे थे। ”पानी रखने के लिए खास जगह है। इसे अंग्रेजी में बॉयलर कहते हैं। यह लोहे का बड़ा पीपा है”। लोहे का एक बड़ा कांच का जार। उसमें हरी लकीर वाले सफेद गोल कंचे, बड़े आंवले जैसे। जार्ज जब अच्छा हो कर आ जाएगा, तब उससे कहेगा। उस समय जॉर्ज कितना खुश होगा! सिर्फ वे दोनों खेलेंगे। और किसी को साथ खेलने नहीं देंगे।

1- भाप क्या होती है?

2- रेलगाड़ी में बॉयलर का क्या महत्व है?

3- आँवले के कोई तीन गुण या उपयोग लिखें ।

4- वर्तमान में कौन सा रेल इंजन प्रचलन में नही हैं, सही उत्तर पर (√)निशान लगाएं

1- भाप का इंजन 2- डीजल इंजन

3- विद्युत इंजन 4- पेट्रोल इंजन

5- आपके नजदीक के किस क्षेत्र में भूमिगत रेल चलती है, उसे क्या नाम दिया गया है?

.....

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	वर्णात्मक	औसत
2	सूचना की पुनः प्राप्ति	व्याख्यात्मक	औसत

3	सृजन	रचनात्मक	औसत
4	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	कठिन
5	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1. Full credit : गर्म व उबलते पानी से निकलती भाप (पूर्ण व्याख्या)

   Partial credit : पानी से निकलती भाप

   No credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2 Full credit : पानी को गर्म करने के लिए लोहे का बड़ा पीपा

   Partial credit : अधूरी व्याख्या

   No credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

3 Full credit : इम्यूनिटी बूस्टर, बालों के लिए उपयोगी, अचार, चटनी, मुरब्बा

   Partial credit : उपरोक्त में से कोई भी दो

   No credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4 Full credit : 1- भाप इंजन

   No credit : अन्य विकल्प

5 Full credit : क्षेत्र का नाम, मेट्रो रेल

   Partial credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

   No credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

स्रोत - समाचार पत्र	कक्षा - 7	प्रतिमान-6
पाठ का नाम - चित्र	उप विषय - **रक्तदान का महत्व**	
सीखने के प्रतिफल : • **विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं।** • पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतरतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं, परिचर्चा करते हैं। • **सरसरी तौर पर किसी पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी उपयोगिता के बारे में बताते हैं।** • **पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।**		

प्रतिमान-6

1. रक्तदान क्यों आवश्यक है?

2. एक बार में हम 300 मिलीलीटर रक्त दान कर सकते हैं सही या गलत?

3. एक स्वस्थ शरीर में रक्त की मात्रा कितनी होती है?

क- 1 लिटर ख- 3 लीटर ग-12 लीटर घ- 5 लीटर

4. निम्नलिखित रक्त समूह में सही समूह पर (√) निशान लगाएं --

क- ए ख- बी ग- एबी घ- ओ

5. चित्र को देखकर इसके बारे में कोई 2-3 पंक्तियाँ लिखें।

6. ब्लड बैंक से आप क्या समझते हैं?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
4	विवेचन	बहुविकल्पीय	कठिन
5	विश्लेषण	व्याख्यात्मक	औसत
6	सूचना की पुनःप्राप्ति	व्याख्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1 Full Credit : दूसरों के जीवन को बचाने के लिए

Partial Credit : अधूरा अर्थ/स्पष्टीकरण

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2 Full Credit : 300 मिलीलीटर, सही

No Credit : ग़लत

3 Full Credit : घ) 5 लीटर

No Credit : अन्य विकल्प

4 Full Credit : ग) एबी

No Credit : अन्य विकल्प

5 Full Credit : रक्तदाता, डॉक्टर, क्लिनिक/कैंप, पोस्टर इत्यादि से संबंधित वाक्य

Partial Credit : उपरोक्त में से किन्हीं दो से संबंधित वाक्य

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

6 Full Credit : जहाँ आपातक़ालीन स्थिति के लिए रक्त का भंडार सुरक्षित रहे

partial Credit : रक्त का भंडार

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

स्रोत - पाठ्य पुस्तक वसंत भाग-दो	कक्षा - 7	प्रतिमान-7
पाठ का प्रकार - चित्र	उप विषय - खाद्य श्रृंखला	

सीखने के प्रतिफल :

- किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।
- विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्राकृतिक मुद्दो/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रतिक्रिया देते हैं। जैसे -जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाजों के बारे में मौखिक रूप से अपनी तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं।
- विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना करते हैं।
- विभिन्न अवसरों /संदर्भों में कही जा रही, दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं जैसे-अपने गांव की चौपाल की बातचीत या अपने मोहल्ले के लिए तरह-तरह के कार्य करने वालों की बातचीत।

प्रतिमान-7

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा सातवीं) भाग - 1

1- अच्छे स्वास्थ्य के लिए किस प्रकार के भोजन की आवश्यकता है?

1- समोसे 2- पिज़्ज़ा

3-फ़ल और सब्जियाँ 4- नूडल्स

2- पौष्टिक भोजन का हमारे लिए क्या महत्व है?

3- खाद्य श्रृंखला में खरगोश का भोजन क्या है?

4- घास ⇨ खरगोश ⇨ ..... ⟹ मोर। खाद्य श्रृंखला पूरी करें।

5- दो या तीन पंक्तियों में चित्र का वर्णन करें।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
2	सृजन	वर्णनात्मक	औसत
3	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
4	सूचना की पुनःप्राप्ति	तार्किक	औसत
5	विश्लेषण	व्याख्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1 Full Credit : 3- फल व सब्ज़ियाँ

No Credit : अन्य विकल्प

2 Full Credit : स्वस्थ शरीर का आधार है, रोगों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है
Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

3 Full Credit : घास

Partial Credit : मिलता जुलता कुछ और

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4 Full Credit : घास, खरगोश, साँप, मोर।

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : घास, ख़रगोश, साँप, मोर, प्रकृति इत्यादि से संबंधित कोई दो वाक्य

Partial Credit : उपरोक्त में से किसी एक से संबंधित वाक्य

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

स्रोत - पाठ्य पुस्तक वसंत भाग-दो	कक्षा - 7	प्रतिमान - 8
पाठ का नाम - गदयांश	उपविषय - आश्रम का अनुमानित व्यय	

सीखने के प्रतिफल :

- विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं।
- पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।
- किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पढ़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री जैसे -शब्दकोष, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।
- भीत्ति पत्रिका/पत्रिका आदि के लिए तरह-तरह की सामग्री जुटाते हैं, लिखते हैं और उनका संपादन करते हैं।

प्रतिमान-8

मुझे मालूम हुआ है कि प्रमुख लोगों की इच्छा यह है कि अहमदाबाद में यह प्रयोग एक वर्ष तक किया जाए। यदि ऐसा हो तो अहमदाबाद को ऊपर बताया गया सब खर्च उठाना चाहिए।

मेरी मांग तो यह भी है कि अहमदाबाद मुझे पूरी जमीन और मकान सभी दे दे तो बाकी खर्च मै कहीं और से या दूसरी तरह जुटा लूंगा। अब चूँकि विचार बदल गया है, इसलिए ऐसा लगता है कि एक वर्ष का या इससे कुछ कम दिनों का खर्च अहमदाबाद को उठाना चाहिए। यदि अहमदाबाद एक वर्ष के खर्च का बोझ उठाने के लिए तैयार न हो, तो ऊपर बताए गए खाने के खर्च का इंतजाम मैं कर सकता हूं। चूँकि मैंने खर्च का यह अनुमान जल्दी में तैयार किया है, इसलिए यह संभव है कि कुछ मदें मुझसे छूट गई हों। इसके अतिरिक्त खाने के खर्च के सिवा मुझे स्थानीय स्थितियों की जानकारी नहीं है। इसलिए मेरे अनुमान में भूलें भी हो सकती हैं। यदि अहमदाबाद सब खर्च उठाए तो खर्च किस तरह होगा।

आरंभ में संस्था(आश्रम) में चालीस लोग होंगे। कुछ समय में इस संख्या के पचास हो जाने की संभावना है। हर महीने औसतन दस अतिथियों के आने की संभावना है। इनमें तीन या पाँच सपरिवार होंगे, इसलिए स्थान की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि परिवार वाले लोग अलग रह सकें और शेष एक साथ । इसको ध्यान में रखते हुए तीन रसोईघर हों और मकान कुल 50000 वर्गफुट क्षेत्रफल में बने तो सब लोगों के लायक जगह हो जाएगी। इसके अलावा 3000 पुस्तकें रखने लायक पुस्तकालय और अलमारियां होनी चाहिए। कम से कम 5 एकड़ जमीन खेती करने के लिए चाहिए,जिसमें कम से कम तीस लोग काम कर सकें, इतने खेती के औजार चाहिए। इनमें कुदालियों,फावड़ों-खुरपों की जरूरत होगी।

1- संभव है कि कुछ मदें मुझसे छूट गई हों क्योंकि----------

क-अहमदाबाद तैयार नहीं था। ख- प्रमुख लोगों की इच्छा है।

ग-अनुमान में भूलें हो सकती हैं। घ- खर्च का अनुमान जल्दी में लगाया है।

2- <u>बोझ उठाने</u> के लिए तैयार न हो -- रेखांकित शब्द से संबंधित एक गलत विकल्प चुनें

क- खर्च उठाना ख- भार उठाना

ग- जिम्मेदारी उठाना घ- कुर्सी से उठाना

3- गद्यांश के अनुसार निम्नलिखित पंक्तियों का सही क्रम बताएं---

क- मुझे स्थानीय स्थितियों की जानकारी नहीं है। □

ख- अहमदाबाद में यह प्रयोग एक वर्ष तक किया जाए। □

ग- एक वर्ष का खर्च अहमदाबाद को उठाना चाहिए। □

4- किसी आयोजन के लिए बजट बनाना क्यों आवश्यक है?

5- आपको अपना जन्मदिन मनाने के लिए 1075 रूपये मिले हैं। इन्हें आप किस प्रकार और किन किन मदों पर खर्च करेंगे?

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा सातवीं) भाग - 1

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
2	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	कठिन
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	रचनात्मक	औसत
4	सृजन	तार्किक	कठिन
5	विवेचन	तुलनात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1 Full Credit : घ) ख़र्च का अनुमान जल्दी में लगाया है

No Credit : अन्य विकल्प

2 Full Credit : घ) कुर्सी से उठाना

No Credit : अन्य विकल्प

3 Full Credit : सही क्रम : ख) ग) क)

No Credit : अन्य विकल्प

4 Full Credit : आयोजन को सफलतापूर्वक बिना किसी बाधा के संपन्न करने के लिए

Partial Credit : मिलता-जुलता उत्तर

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : प्राथमिकता व रुचि के आधार पर विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर मान्य होंगे

Partial Credit : केवल मदों का उल्लेख

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

स्रोत - पाठ्य पुस्तक - वसंत भाग-दो	कक्षा - 7	प्रतिमान-9
पाठ का नाम - वीर कुंवर सिंह	उपविषय -	

सीखने के प्रतिफल :

- किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।
- विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्राकृतिक मुद्दो/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रतिक्रिया देते हैं। जैसे -जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाजों के बारे में मौखिक रूप से अपनी तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं।
- किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पढ़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री जैसे -शब्दकोष , मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।
- अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।

प्रतिमान-9

जगदीशपुर के जंगलों में 'बसुरिया बाबा' नाम से सिद्ध संत रहते थे। उन्होंने ही कुँवरसिंह में देशभक्ति एवं स्वाधीनता की भावना उत्पन्न की। उन्होंने बनारस, मथुरा, कानपुर लखनऊ आदि स्थानों पर जाकर विद्रोह की सक्रिय योजनाएँ बनाई। वे 1845 से 1846 तक काफी सक्रिय रहे। और गुप्त ढंग से ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ विद्रोह की योजना बनाते रहे। उन्होने बिहार के प्रसिद्ध सोनपुर मेले को अपनी गुप्त बैठकों की योजना के लिए चुना। सोनपुर के मेले को एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला माना जाता है। यह मेला कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लगता है। यह हाथियों के क्रय-विक्रय के लिए भी विख्यात है इसी ऐतिहासिक मेले में उन दिनों स्वाधीनता के लिए लोग एकत्र होकर क्रांति की बारे में योजना बनाते थे। 25 जुलाई 1857 को दानापुर की सैनिक टुकड़ी ने विद्रोह कर दिया और सैनिक सोन नदी को पार कर आरा की ओर चल पड़े। कुँवर सिंह से उनका संपर्क पहले से ही था। इस मुक्ति वाहिनी के

सभी बागी सैनिकों ने कुँवर सिंह का जयघोष करते हुए आरा पहुँचकर जेल की सलाखें तोड़ दी और कैदियों को आजाद कर दिया। 27 जुलाई 1857 को कुँवर सिंह ने आरा पर विजय प्राप्त की।

सिपाहियों ने उन्हें फौजी सलामी दी। यद्यपि कुंवर सिंह बूढ़े हो चले थे परंतु वह बूढ़ा शूरवीर इस अवस्था में भी युद्ध के लिए तत्पर हो गया और आरा क्रांति का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया दानापुर और आरा की इस लड़ाई की ज्वाला बिहार में सर्वत्र व्याप्त हो गई थी। लेकिन देशी सैनिकों में अनुशासन की कमी,स्थानीय जमीदारों का अंग्रेजों के साथ सहयोग करना एवं आधुनिकतम शस्त्रों की कमी के कारण जगदीशपुर का पतन न रोका जा सका। 13 अगस्त को जगदीशपुर में कुंवर सिंह की सेना अंग्रेजों से परास्त हो गई। किंतु इससे वीर कुंवर सिंह का आत्मबल टूटा नहीं और वे भावी संग्राम की योजना बनाने में तत्पर हो गए। वे क्रांति के अन्य संचालक नेताओं से मिलकर इस आजादी की लड़ाई को आगे बढ़ाना चाहते थे सासाराम से मिर्जापुर होते हुए रीवा,कालपी कानपुर एवं लखनऊ तक गए। लखनऊ में शांति नहीं थी इसलिए बाबूकुंवर सिंह ने आजमगढ़ की ओर प्रस्थान किया उन्होंने आजादी की इस आग को बराबर जलाए रखा।

1- उन क्षेत्रों के नाम लिखो जहां विद्रोह की सभी योजनाएं आकार ले रही थी?

2- विद्रोह की सक्रिय योजनाओं के क्रियान्वयन से लेकर 1857 के वास्तविक विद्रोह के बीच का समय अंतराल कितना था?

3- बिहार के सोनपुर में पशुमेला लगता है, ठीक इसी तरह चंडीगढ़ में लगने वाले मेलों के नाम बताओ।

4- मुक्ति वाहिनी के सभी बागी सैनिकों से आप क्या समझते हैं?

1- मुक्ति की इच्छा रखने वाले विद्रोही सैनिक 2- मुक्त सैनिक

3- विद्रोह मुक्त सैनिक

4- बाग में ड्यूटी देने वाला सैनिक

5- स्वतंत्रता संग्राम के लिए अलग-अलग स्थानों पर विभिन्न योजनाएं बनी है आप अपने अध्ययन में सफलता हेतु किस प्रकार योजनाएं बनाते हैं?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	रचनात्मक	औसत
2	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
3	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
4	सूचना की पुन: प्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
5	सृजन	तार्किक	कठिन

उत्तरमाला :

1 Full Credit : बनारस, मथुरा, कानपुर, लखनऊ

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी दो

No Credit : अन्य विकल्प

2 Full Credit : 12 वर्ष

No Credit : अन्य उत्तर

3 Full Credit : पुष्प मेला, दीपावली मेला, पुस्तक मेला, कलाग्राम का मेला इत्यादि।

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उतर

4 Full Credit : 1- मुक्ति की इच्छा रखने वाले विद्रोही सैनिक

No Credit : अन्य विकल्प

5 Full Credit : विद्यार्थियों की रचनात्मकता व कोई तीन योजनाएँ

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा सातवीं) भाग - 1

स्त्रोत : इंटरनेट	कक्षा - 7	प्रतिमान-10
पाठ का प्रकार - गद्यांश	उप विषय - आर्थिक विषमता	
सीखने के प्रतिफल : • किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं। • सरसरी तौर पर किसी पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी उपयोगिता के बारे में बताते हैं। • अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।		

प्रतिमान-10

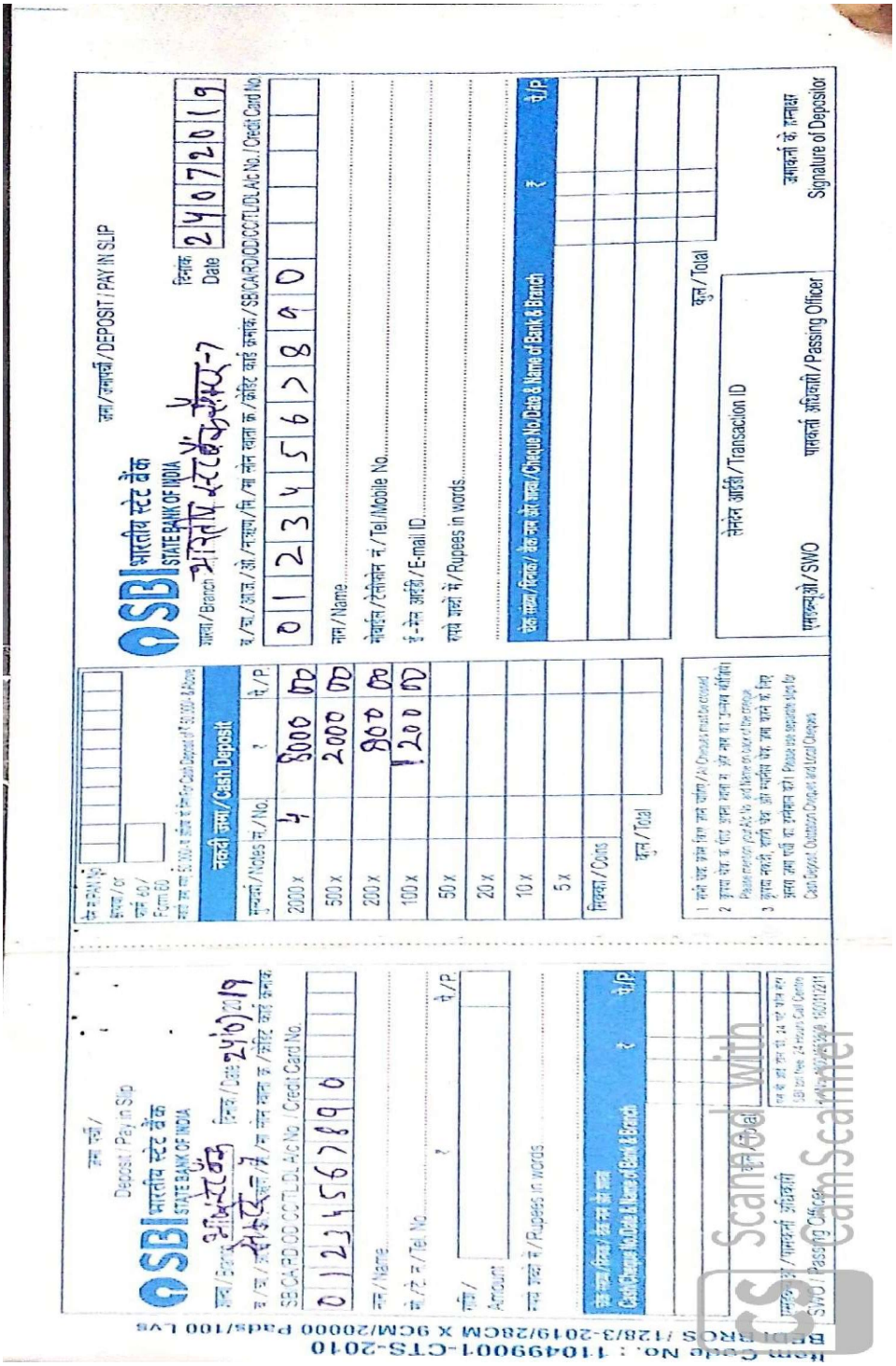

राम परिवार का ही नहीं, कस्बे का पहला आदमी था जिसने रोजी-रोटी के लिए पंजाब को प्रस्थान किया। गांव में घर पर पिताजी बीमार हैं, बुजुर्ग हैं, साथ ही याददाश्त भी साथ छोड़ रही

है। भारतीय आदर्श परिवारों की तरह परिवार की सारी आर्थिक जिम्मेदारी का निर्वाह राम पर ही था। पिताजी के इलाज हेतु पैसे भेजने हैं, जबकि उसका वेतन महीने की 12 तारीख के बाद ही मिलता है, वह मजबूरी में कुछ लोगों से उधार लेता है। विश्वनाथ उसे ₹2000 रूपये के नोट देता है, जिससे उसकी जरूरत पूरी नहीं होती। परिणामस्वरुप वह अपने मैनेजर से कहता है तो वह पूरे रौब के साथ कि, "तनख्वाह से पैसे काट लूंगा,कहकर मात्र ₹800 रूपये ही देता है। धौंस अलग से जमाता है, वह उदास होता है किंतु हताश नहीं, हाथ पैर मारना चाहता है। पिता जो हैं, अपनत्व जो है। वह अपने साथी कर्मचारी गंगा प्रसाद से पूछता है, जहां उम्मीद जगती है कि कुछ बात और भी बन सकती है और वह बारह सौ रुपए देता है। 1200 रुपए देते समय वह कहता है कि मै अपनी पत्नी से बात करके आपकी और मदद कर सकता हूं। परिणामस्वरूप वह उसी दिन ₹500 रूपये का नोट देता है। राम उसका ही नहीं सभी मदद करने वालों का धन्यवाद करता है और खुशी-खुशी पैसा गांव भेजने के लिए बैंक को प्रस्थान करता है। यह त्रासदी राम की न हो करके तमाम कामगार, प्रवासी लोगों की है, जो आज राम पर आई है, कल जमुना पर आएगी, परसों गुलाबों पर भी आएगी, क्या यही उनकी नियति है?

1- गांव में बीमार बुजुर्ग कौन है?

2- पैसे उधार देते समय धौंस कौन जमाता है?

3- उपरोक्त गद्यांश की आधार पर राम को कुल कितने रुपए मिले, उसने किस-किसका धन्यवाद किया?

4- रुपए भेजने का माध्यम था-

क- डाकखाना ख- गांव का कोई आदमी ग- पे०टी०एम घ- बैंक

5- फॉर्म में रह गई कमियों को पूरा करो।

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा सातवीं) भाग - 1

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	रचनात्मक	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	रचनात्मक	औसत
3	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
4	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहु विकल्पीय	औसत
5	विवेचन	तुलनात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1 Full Credit : राम के पिता जी

No Credit : अस्पष्ट/असंगत/अन्य उत्तर

2 Full Credit : मैनेजर

No Credit : अस्पष्ट/असंगत/अन्य उत्तर

3 Full Credit : 2000+800+1200+500=4500, विश्वनाथ, गंगा प्रसाद, मैनेजर

Partial Credit : 4500, उपरोक्त व्यक्तियों में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4 Full Credit : घ) बैंक

No Credit : अन्य विकल्प

5 Full Credit : नाम, मोबाइल नंबर, कुल जमा राशि, जमा कर्ता के हस्ताक्षर

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी दो

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा सातवीं) भाग - 1

स्त्रोत : इंटरनेट	कक्षा - 7	प्रतिमान-11
पाठ का प्रकार - गद्यांश	उप विषय - मिशन चंद्रयान	
सीखने के प्रतिफल : • किसी चित्र या दृश्य को देखने के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक, सांकेतिक भाषा में व्यक्त करते हैं। • हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री समाचार-पत्र /पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं। • विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओ, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम चिह्नों एवं अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसा काल, क्रिया विशेषण, शब्द युग्म आदि का प्रयोग करते हैं।		

प्रतिमान-11

मिशन चंद्रयान-2 • चांद पर भेजे जाने वाले उपकरणों से लेकर चांद जैसी मिट्टी तक सब कुछ स्वदेशी

तमिलनाडु में तलाशी चांद जैसी चट्टानें, पीसकर मिट्टी बनाई; फिर बेंगलुरू में चांद सी सतह बनाकर हजारों बार कराई रोवर की लैंडिंग

चंद्रयान-1 से मिलीं हजारों तस्वीरें देख तय किया लैंडिंग स्पॉट

श्रीहरिकोटा से डॉ. एम अन्नादुरई
(चंद्रयान-1 के डायरेक्टर, चंद्रयान-2 मिशन में भी शामिल रहे)

अब सिर्फ 7 सितंबर का इंतजार है, जब हम चंद्रयान-2 को चांद पर उतरा देखेंगे और दुनिया भारत की ओर देख रही होगी। चंद्रयान-2 में भी वही ऑर्बिटर है, जो चंद्रयान-1 में था। लेकिन, रूसी स्पेस एजेंसी रॉसकॉसमॉस से करार टूट जाने के बाद इसरो को लैंडर और रोवर खुद ही बनाने पड़े। सबसे बड़ी चुनौती लैंडर और रोवर की टेस्टिंग की थी। इसके लिए चंद्रमा जैसी ही मिट्टी, कम ग्रेविटी का क्षेत्र, चांद पर पड़ने वाली सूरज की चमकदार रोशनी और वातावरण सबकुछ वैसा ही रीक्रिएट करने की जरूरत थी। एक तरीका तो यह था कि अमेरिका से सिमुलेटेड लूनर सॉयल (चांद जैसी मिट्टी) लाते, जो 150 डॉलर/किलो है। हमें 70 टन मिट्टी की जरूरत थी। लागत ज्यादा थी, इसलिए तय हुआ कि अमेरिका से सिर्फ थोड़ी सी मिट्टी खरीदी जाए और उसका अध्ययन करके यहां ऐसी मिट्टी बनाई जाए। भूवैज्ञानिकों की मदद से इसरो को पता चला कि तमिलनाडु के सालेम में एनॉर्थोसाइट नाम की चट्टानें हैं, जो चांद पर मौजूद चट्टानों से मिलती-जुलती हैं। हमारी टीम ने सालेम के सीतामपोंडी और कुन्नाकुलई गांव की चट्टानों को उपयुक्त पाया। जिस मिट्टी के लिए 72 करोड़ रुपए खर्च करने पड़ते, वह काम मुफ्त में हो गया। त्रिची के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सालेम की पेरियार यूनिवर्सिटी और बेंगलुरू के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के वैज्ञानिकों ने उन चट्टानों को पीसकर चंद्रमा जैसी मिट्टी बना दी। वहां से ट्रकों में लादकर मिट्टी इसरो सैटेलाइट इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग एस्टेब्लिशमेंट बेंगलुरू लाई गई और वहां दो मीटर मोटी सतह बनाई गई। साथ ही उतनी ही रोशनी बरकरार रखी गई, जितनी चांद पर है। वहां 2015 से अब तक हजारों बार लैंडिंग कराई गई। चांद पर गुरुत्वाकर्षण बल पृथ्वी से छह गुना कम है। इसलिए टेस्टिंग के दौरान रोवर का वजन कम करने के लिए हीलियम के गुब्बारे लगाए गए।

जैसा डॉ. अन्नादुरई ने अनिरुद्ध शर्मा को बताया।

54 दिन में ऐसे चांद पर पहुंचेगा भारत

17 मिनट में रॉकेट चंद्रयान-2 को पृथ्वी की कक्षा में पहुंचाएगा

भारत के सबसे ताकतवर रॉकेट (बाहुबली) से अलग होने के बाद ऑर्बिटर अगले 16 दिने में पृथ्वी के 5 चक्कर लगाएगा।

लैंडर चांद की कक्षा में 4 दिन चक्कर लगाएगा

लैंडर ऑर्बिटर से अलग होगा

लैंडिंग

चांद की कक्षा में प्रवेश

5 दिन का सफर

चांद की ओर बढ़ेगा।

रोवर

अधिकतम गति: 10 किमी/सेकंड

न्यूनतम गति: 3 किमी/सेकंड

श्री हरिकोटा

रॉकेट से अलग होगा लैंडर

लैंडिंग के लिए खुद ही समतल जगह चुनेगा

लैंडर में सेंसर का ऐसा सेट लगा है, जो चांद की सतह सपाट है या नहीं, इसका एक सेकंड से भी कम समय में पता लगाकर तय करता है कि वहां लैंडर का पांव रखने चाहिए या नहीं। उसके बाद ही वह लैंडिंग करेगा।

Scanned with CamScanner

1- लैंडर और रोवर के सफल परीक्षण के लिए उपयुक्त वातावरण कैसे बनाया गया?

2- अमेरिका से चांद जैसी मिट्टी लाने के लिए अनुमानित खर्च कितना होता?

1- 150 रूपये प्रति किलो　　2- $70 प्रति किलो

3- 27 करोड़　　4- 150 डालर प्रति किलो

3- रॉकेट बाहुबली चंद्रयान-2 कितने समय में पृथ्वी की कक्षा में पहुंच जाएगा ?

1- 17 मिनट में　　2- 16 दिन में

3- 54 दिन में　　4- 4 दिन में

4- लैंडर में लगे सेंसर का काम है-

1-पृथ्वी का चक्कर लगाना　　2- चांद की सतह सपाट है या नहीं का पता लगाना

3- लैंडर को चांद की ओर बढ़ाना　　4- हीलियम के गुब्बारे लगाना

5- तुम्हारा स्कूल घर से 6 किलोमीटर है अगर आप पैदल जाते हैं तो 60 मिनट में पहुंचते हैं। स्कूटर से जाने पर आठ मिनट लगते हैं, लेकिन बस से जाने पर 18 मिनट लगते हैं। यदि आपके पैदल चलने की गति 10 मिनट प्रति किलोमीटर है तो बताइए कि स्कूटर से आपको स्कूल पहुँचने में कितना समय लगेगा?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
4	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
5	विश्लेषण	तार्किक	कठिन

उत्तरमाला :

1　Full Credit : एनार्थोसाइट नामक चट्टानों को पीसकर सफल परीक्षण

Partial Credit : मिलता-जुलता उत्तर

No Credit : अस्पष्ट/असंगत/अन्य उत्तर

2 Full Credit : 4) 150 डॉलर प्रति किलो

No Credit : अन्य विकल्प

3 Full Credit : 1) 17 मिनट में

No Credit : अन्य विकल्प

4 Full Credit : 2) चाँद की सतह सपाट है या नहीं का पता लगाना

No Credit : अन्य विकल्प

5 Full Credit : 8 मिनट

No Credit : अन्य उत्तर

स्त्रोत : समाचार पत्र	कक्षा - 7	प्रतिमान-12
पाठ का प्रकार - चित्र/तस्वीर	उप विषय - विज्ञापन (मानसून धमाका)	

सीखने के प्रतिफल :

- किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।
- किसी चित्र या दृश्य को देखने के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक, सांकेतिक भाषा में व्यक्त करते हैं।
- हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री समाचार-पत्र /पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं।

प्रतिमान-12

1- दिए गए विज्ञापन में मानसून 'धमाका' क्या है?

2- मानसून धमाका में डीलर्स ने क्या मुफ्त देने का प्रस्ताव दिया है?

क- दो गाड़ियां ख- 100000 रूपये

ख- छतरी घ- 10,00,000 का स्वास्थ्य बीमा

3- जैसे टाटा मोटर्स ने छोटे वाहनों पर 'मानसून धमाका ऑफर' दिया है। वैसे ही तीन वाहन निर्माता कंपनियों के नाम लिखिए ।

4- 'मानसून धमाका ऑफर' कितने प्रतिशत (%) ब्याज पर उपलब्ध है?

क- 0.99% ख-.099% ग- 099.0% घ- 0.990%

5- 'एक्सचेंज ऑफर' से आप क्या समझते हैं। इससे संबंधित कोई एक उदाहरण लिखें।

6- टाटा मोटर्स के अधिकृत डीलर 'सीएमपीएल मोटर्स' चंडीगढ़ में स्थित है–

1- ई -103,फेज 7 2- प्लॉट नं 52 पंचकुला

3-प्लॉट नंबर 52 फेस 1 चंडीगढ़ 4- प्लॉट नंबर जीरकपुर

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
3	सृजन	तार्किक	औसत
4	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
5	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	औसत
6	सूचना की पुनः प्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत

उत्तरमाला :

1 Full Credit : 1,00,000 तक का फ़ायदा/विभिन्न ऑफ़र

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अस्पष्ट/असंगत/अन्य उत्तर

2 Full Credit : घ) 10,00,000 का स्वास्थ्य बीमा

No Credit : अन्य विकल्प

3 Full Credit : मारुति सुज़ुकी, टोयोटा, होंडा, स्कॉडा इत्यादि

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी दो

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4 Full Credit : क) 0.99 %

No Credit : अन्य विकल्प

5 Full Credit : पुराने वस्तु के बदले नई ख़रीद पर कुछ प्रतिशत छूट, उदाहरण सहित

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत /अस्पष्ट/अन्य उत्तर

6 Full Credit : ग) प्लॉट नंबर 52 फ़ेस 1 चंडीगढ़

No Credit : अन्य विकल्प

स्त्रोत : स्वरचित	कक्षा - 7	प्रतिमान-13
पाठ का प्रकार - गद्यांश	उप विषय - आम का बगीचा	
सीखने के प्रतिफल : • किसी चित्र या दृश्य को देखने के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक, सांकेतिक भाषा में व्यक्त करते हैं। • कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं जैसे - वर्णनात्मक, भावात्मक, प्रकृति-चित्रण आदि • अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।		

प्रतिमान-13

अमूमन वर्षा ऋतु वृक्षारोपण हेतु उपयुक्त समय है क्योंकि वर्षा नमी आदि मिलकर पौधों को पनपने, बढ़ने का अवसर बनाते हैं। चंडीगढ़ वासियों ने 2019 में विभिन्न नर्सरियों से लाकर पौधे लगाए हैं। पौधे जीवन देते हैं, ऑक्सीजन देते हैं, हमारा जीवन सुखद बनाते हैं। शहर में औद्योगिक क्षेत्र की ओर सड़क के किनारे बहुतायत में आम के बगीचे हैं जिन्हें प्रतिवर्ष व्यापारियों को कुछ निश्चित राशि के बदले दे दिया जाता है। फसल मौसम की मार का शिकार हो गई है, फिर भी कुछ पेड़ों में भरपूर आम आए हैं, लोग राह चलते अपने वाहनों व सरकारी साधनों से निहारते हैं। बरबस बोल उठते हैं कि अहा! खूब रसाल आए हैं। यह इच्छा मन ही मन रह जाती है क्योंकि रखवाले भी तत्परता से डटे हैं। समय आ चुका है, आम पक रहे हैं, दुकानदारों ने चार प्रकार की लकड़ी की पेटियां मंगा ली है। मांपो के अनुसार दो तरह की पेटियों में आम रखे हुए हैं, प्रत्येक बड़ी पेटी में रखे आमों की मात्र 12 किलोग्राम है जो छोटी पेटी में रखे आमों की संख्या से 6 अधिक है मगर ग्राहक पूछते हैं कि छोटी पेटी में कितने आम है। प्रत्येक बड़ी पेटी में 100 आम हैं । अब कुछ इस प्रकार की बची पेटियां वापस करनी है जिन्हें दुकानदार इस शर्त पर वापस करता है कि उतने पैसे ही वापस करूंगा

जितना प्रत्येक छोटी पेटी में रखे आमों की संख्या का 25% होगा। वापस करने गया व्यक्ति आंकड़ों की उलझन में है, क्या आप भी?

1. पौधे कहां से उपलब्ध हुए हैं?

   क- सरकारी साधनों से ख- औद्योगिक क्षेत्र से

   ग- मुल्लापुर से घ- नर्सरियों से

2. लोग राह चलते क्या करते हैं? प्रत्येक छोटी पेटी में कितने आम हैं?
3. गदयांश में कौन और क्यों परेशान हैं?
4. मोहन ने दुकानदार से 8 पेटियां खरीदी। प्रत्येक पेटी में 12 किलोग्राम आम थे। मोहन को आम 35 रूपये प्रति किलोग्राम के भाव से मिले। अब खाली पेटियां वापस करने पर उसे कितने रुपए दुकानदार से वापस मिलेंगे। गद्यांश के आधार पर उत्तर दें।
5. वर्षा ऋतु के संबंध में अपने अनुभव के साथ अपने माता-पिता के अनुभव की तुलना कीजिए।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	रचनात्मक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	रचनात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
5	सृजन	तुलनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1 Full Credit : घ) नर्सरियों से

No Credit : अन्य विकल्प

2 Full Credit : आमों को निहारना, 6 किलो आम,

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

3 Full Credit : ग्राहक आंकड़ों की उलझन में परेशान है।

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4 Full Credit : ₹3360

No Credit : अन्य उत्तर

5 Full Credit : विद्यार्थियों के अपने अनुभव के आधार पर उत्तर

No Credit : अस्पष्ट/असंगत/अन्य उत्तर

स्त्रोत : इंटरनेट	कक्षा - 7	प्रतिमान-14
पाठ का प्रकार - गद्यांश	उप विषय - ब्रेल लिपि	
सीखने के प्रतिफल : • विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं। • किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं। • हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री)समाचार-पत्र /पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि (को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं।		

प्रतिमान-14

(लुई ब्रेल 1809 से 1852)

दृष्टिबाधितों के लिए ज्ञान के क्षितिज में जो नवीन आयाम जुड़ा उसके लिए संत लुई ब्रेल को असीम श्रेय जाता है। उन्होंने स्पर्श लिपि का विकास लगभग 185 साल पूर्व किया था। जिसका दृष्टिबाधितों के शिक्षण-प्रशिक्षण में, पढ़ने वा लिखने में सशक्त माध्यम के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। लुई ब्रेल का जन्म 4 जनवरी 1809 को फ्रांस में पेरिस के कुबरे नामक गांव में हुआ था। यह अपने माता-पिता की तीसरी संतान थे यह जन्म से दृष्टिहीन नहीं हुए बल्कि 3 वर्ष की छोटी आयु में दुर्घटना के कारण अपनी दृष्टि खो बैठे। सन 1829 में इस लिपि का प्रथम संस्करण तैयार किया और द्वितीय संस्करण 1834 में अंतिम रूप से प्रकाशित किया। लुई ब्रेल के नाम पर ही इस लिपि को ब्रेल लिपि कहा जाता है। मात्र 43 वर्ष की अवस्था में 6 जनवरी 1852 को लुई ब्रेल का देहावसान हो गया। ब्रेल लिपि की विशेषता- ब्रेल लिपि उभरे हुए बिंदुओं की वह प्रणाली है जो मात्र छह बिंदुओं के विभिन्न समूहों से बनी है।

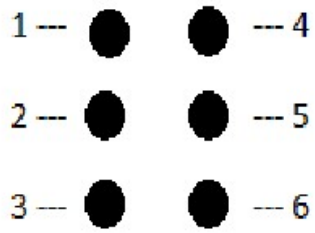

इन बिंदुओं का अपना निश्चित स्थान तथा उनका अपना संख्या क्रम है। उपरोक्त छह बिंदुओं के कोष्ठ में तीन बिंदुओं की एक खड़ी पंक्ति बाईं ओर है जिसमें क्रमशः बिंदु संख्या एक, संख्या दो और बिंदु संख्या 3 है। इसके दाहिने ओर तीन बिंदुओं की दूसरी खड़ी पंक्ति है, जिसमें क्रमशः बिंदु संख्या 4, बिंदु संख्या 5 और बिंदु संख्या 6 स्थित है। इन छह बिंदुओं के अलग-अलग समूह बनते हैं; जिनकी आकृति स्पर्श द्वारा अलग-अलग प्रतीत होती है। इन छह बिंदुओं के प्रकोष्ठ से अधिक से अधिक 63 प्रतिरूप बनते हैं। इन 63 चीजों पर ही विश्व की समस्त भाषाएँ ब्रेल मे उपलब्ध हैं, व पढ़ी लिखी जाती हैं।

1- लुई ब्रेल का जन्म कहां और कब हुआ?

2- कितने वर्ष की आयु में ब्रेल लिपि का द्वितीय संस्करण प्रकाशित हुआ?

3- जब एक बिंदु से एक प्रकोष्ठ बनता है तो सभी छह बिंदुओं के प्रकोष्ठ से कितने प्रतिरूप बनेंगे?

4- विश्व की कौन सी और कितनी भाषाएं ब्रेल में पढ़ी और लिखी जा सकती हैं?

5- दिव्यांग बच्चों के प्रति आपका क्या नजरिया होना चाहिए?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
3	विवेचन	तथ्यात्मक	औसत
4	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
5	सृजन	वर्णनात्मक	औसत

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा सातवीं) भाग - 1

उत्तरमाला :

1 Full Credit : 4 जनवरी,1809 को फ़्रांस में

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अस्पष्ट/असंगत/अन्य उत्तर

2 Full Credit : 25 वर्ष की आयु में

No Credit : अन्य उत्तर

3 Full Credit : 63 प्रतिरूप

No Credit : अन्य उत्तर

4 Full Credit : विश्व की समस्त भाषाएँ

No Credit : अन्य उत्तर

5 Full Credit : विद्यार्थियों के सटीक उत्तर मान्य होंगे

Partial Credit : एक-दो शब्दों में उतर

No Credit : असंगत /अस्पष्ट/अन्य उत्तर

स्त्रोत : पत्रिका	कक्षा - 7	प्रतिमान-15
पाठ का प्रकार - चित्र	उप विषय - मोबाइल फ़ोन से स्वास्थ्य को ख़तरा	

सीखने के प्रतिफल :

- विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं।
- किसी चित्र या दृश्य को देखने के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक, सांकेतिक भाषा में व्यक्त करते हैं।
- विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्राकृतिक मुद्दो/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रतिक्रिया देते हैं। जैसे -जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाजों के बारे में मौखिक रूप से अपनी तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं।
- हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री)समाचार-पत्र /पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि (को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं।

प्रतिमान-15

1- प्रतिदिन 10 मिनट के इस्तेमाल से यह बढ़कर 71% हो सकती है। यहां 'यह' क्या है?

1 उपभोक्ता 2 मोबाइल 3 झनझनाहट 4 इलाज

2- चित्र के आधार पर 4.49 किलोग्राम अवशोषण की मात्रा कितने साल के और किसकी खोपड़ी से संबंधित है?

3- 23 गुना और चार गुना दुर्घटना के अवसर क्रमशः किस कारण से बढ़ जाते हैं?

4- सामाजिक विघटन में मोबाइल फ़ोन किस प्रकार प्रमुख उत्तरदायी कारक है?

5- मोबाइल फोन के उपरोक्त दुष्प्रभावों में से आप किसे अधिक खतरनाक मानते हैं, और क्यों?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
4	सृजन	तार्किक	कठिन
5	विवेचन	तुलनात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1 Full Credit : क) झनझनाहट

No Credit : अन्य विकल्प

2 Full Credit : पाँच साल के बच्चे की खोपड़ी से

No Credit : अन्य उत्तर

3 Full Credit : मोबाइल फ़ोन से बात करते हुए वाहन चलाने पर

No Credit : अन्य उत्तर

4 Full Credit : आत्म केंद्रित होना, रिश्तों में बढ़ती दूरी, एकाकीपन इत्यादि उत्तर मान्य होंगे

Partial Credit : उपरोक्त मे से कोई एक।

No Credit : अन्य उत्तर

5 Full Credit : किसे और क्यों का उत्तर तर्क सहित।

Partial Credit : एक दो शब्दों में तर्क रहित उत्तर।

No Credit : असपष्ट / असंगत / अन्य उत्तर

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा सातवीं) भाग - 1

स्त्रोत : पत्रिका	कक्षा - 7	प्रतिमान-16
पाठ का प्रकार - चित्र	उप विषय - सुरक्षा का प्रतीक हेलमेट	

सीखने के प्रतिफल :

- किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।
- किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पढ़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री जैसे -शब्दकोष, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।
- हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री समाचार-पत्र /पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं।

प्रतिमान-16

हेल्मेट पहने - अपने सिर को बचाएं

दिमाग हमारे तंत्रिका तंत्र का मूल हिस्सा है। सुरक्षित खोपड़ी के अंदर तीन कवरिंगस से सुरक्षित होता है- इयूरा मेटर, अर्कनोइड मेटर और मृदुतानिका

मस्तिष्क की चोट

मौत और विकलांगता के सामान्य कारण

इयूरा मेटर- इसकी आपूर्ति middle meningeal artery द्वारा होती है जो खोपड़ी के हिस्सों के नीचे होती है।

प्टेरिओन - चिकित्सकीय के हिसाब से यह खोपढ़ी का महत्वपूरण हिस्सा है। जहां frontal, parietal, temporal और sphenoid हड़ियाँ आकर मिलती हैं।

क्या होता है जब किसी हेलमेट पहने व्यकित का दुपहिया वाहन दुर्घटना में सिर सड़क पर लगता है?

Extradural Hematoma

- बाह्य रक्तस्त्राव (ईएच) की ओर जाता है
- ईएच खोपड़ी के पक्ष में हड्डियों के फ्रैक्चर के साथ आमतौर पर विकसित होता है (पाइटरियन) जो कि बीच में मेनिंगियल धमनी, जिससे खोपड़ी और इयूरा मेटर के बीच रक्त का संग्रह होता है।

- यह एक घातक स्थिति है क्योंकि रक्त के थक्का पर दबाव डाला जाता है अंतर्निहित मस्तिष्क (सेरेब्रल कॉर्टेक्स) और मेडुला आयताकार (हृदय, वासोमोटर और श्वसन केंद्र) जिसके परिणामस्वरूप मौत होती है।

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा सातवीं) भाग - 1

1- गद्यांश में प्रमुख बात है-

1-हेलमेट की खरीद 2- हेलमेट और सिर की सुरक्षा

2-तंत्रिका तंत्र 4- खोपड़ी

2-मौत और विकलांगता के सामान्य कारण है-

1-चोट 2- कवरींग्स

3-मृदुतानिका 4- मस्तिष्क की चोट

3- किस दशा मे वाह्य रक्तस्राव ई०एच की ओर जाता है?

4- हेलमेट खरीदते समय क्या-क्या सावधानियां रखेंगे?

5- ड्यूरामेटर और खोपड़ी के बीच रक्त संग्रह की प्रमुख धमनी है-

1- प्टेरिओन 2- मृदुतानिका 3- मेनिंगियल 4- मेडूला

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
2	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	रचनात्मक	औसत
4	सृजन	तार्किक	कठिन
5	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	कठिन

उत्तरमाला :

1 Full Credit : 2) हेल्मेट और सिर की सुरक्षा

No Credit : अन्य विकल्प

2 Full Credit : 4) मस्तिष्क की चोट

No Credit : अन्य विकल्प

3 Full Credit : दुर्घटना में सिर का सड़क पर लगना

No Credit : अन्य उत्तर

4 Full Credit : कंपनी का हो, ISI मार्क हो

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर

5 Full Credit : 3) मेनिंगियल

No Credit : अन्य विकल्प

स्त्रोत : पत्रिका	कक्षा - 7	प्रतिमान-17
पाठ का प्रकार - गद्यांश	उप विषय - किसान बनाम कृषि	

सीखने के प्रतिफल :

- किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।
- पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं, परिचर्चा करते हैं।
- अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।

प्रतिमान-17

भारत में विषमता के कारण विकसित हो रहे हैं दो देश। आबादी का ऊपरी दस प्रतिशत जिसे अभाव छू भी नहीं सकता, जबकि नीचे का 67% किसानों और खेतिहर मजदूर, जो 2 जून की रोटी के लिए संघर्षरत हैं। 2014 और 2015 में इंद्र भगवान के मुँहफेर लेने के कारण किसान सूखे की मार झेलता रहा। तीसरे साल अनाज, दलहन, प्याज, आलू, कपास और अन्य फसल की पैदावार इस किसान ने अपनी कर्मठता से रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचाई । किंतु उनके दाम जमीन पर आ गए क्योंकि उपज बढ़ने पर राज्य अभिकरणों के पास उनके विपणन और भंडारण की समुचित व्यवस्था नहीं हो सकी। किसानों ने अपने अनाज और सब्जियाँ सड़कों पर फेंकना शुरू किया। नतीजतन चौथे साल हताश किसानों ने कम खेती की। अनाज का ज्यादा उत्पादन हो तो कीमत कम कर के व्यापारी मालामाल और अनाज कम पैदा हो तो ऊंची कीमतों से मध्यम वर्ग के उपभोक्ता की कमर पर वार या दोनों स्थितियों में व्यापारी खुश, शेयर मार्केट खुश। यानि कि चाकू खरबूजे पर गिरे या खरबूजा चाकू पर, कटेगा खरबूजा ही । अबकी बार कहीं अति-वृष्टि, कहीं बाढ़ और सूखा। दावोस में मोदी ने बताया कि 2025 तक भारत की अर्थव्यवस्था का आकार दोगुना बढ़कर $500000 हो जाएगा, उन्होंने दुनियाभर से आए राष्ट्र

अध्यक्षों को ही नहीं उद्योगपतियों को भी बताया कि भारत की 'सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया--- (सभी लोग सुखी, हो सभी निरोग हो---) में विश्वास रखता है। लेकिन ऑक्सफैम की रिपोर्ट के अनुसार भारत के गांव का एक कामगार 50 साल में जितना पैसा कमाता है उतना किसी शीर्ष गारमेंट कंपनी का एक मैनेजर मात्र 17.5 दिन में कमाता है। या यूं कहें कि जितना यह मोटी तनख्वाह पाने वाला मैनेजर 1 साल में कमाता है उतना कमाने के लिए उस कामगार को 941 वर्ष लगेंगे अर्थात लगभग 100 पीढ़ी भारत के संविधान की उद्देशिका तो कहती है "हम भारत के लोग-----समस्त नागरिकों को------ अवसर की समानता प्राप्त करने के लिए---- दृढ़ संकल्पित--------होकर इस संविधान को अंगीकृत-------करते हैं" फिर क्या कारण है कि 70 सालों में भी वह कामगार वहीं रहा और उसके फावड़े में वह दम नहीं आ सका जो एक बड़े बाप का बेटा शेयर मार्केट से हासिल कर लेता है?

1. भारत में किस कारण से दो देश विकसित हो रहे हैं?

2. गद्यांश के आधार पर तीसरे वर्ष में क्या प्रगति हुई है?

3. किसानों के अनाज और सब्जियां सड़क पर फेंकने के क्या कारण थे?

4. चाकू और खरबूजे की बात के गद्यांश में क्या मायने हैं?

5. गद्यांश में आई संस्कृत की पंक्ति का भावार्थ लिखें।

6. आर्थिक विषमता की वजह से एक मज़दूर को एक मैनेजर की कुल तनख़्वाह जितना रुपया कमाने के लिए कितना समय लगेगा?

7- कल्पना कीजिये आप किसान हैं, और आपके खेतों मे 2019 में बम्पर पैदावार हुई हैं आप बहुत खुश हैं, इसे बेचकर आपने अपनी गृहस्थी जो चलानी है। यदि आपको अपनी फसल की उचित कीमत नहीं मिलती है तो आपको कैसा प्रतीत होता है ?

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा सातवीं) भाग - 1

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	व्याख्यात्मक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
4	व्यापक समझ	तार्किक	औसत
5	सूचना की पुनःप्राप्ति	रचनात्मक	औसत
6	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
7	सृजन	वर्णनात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1 Full Credit : आर्थिक विषमता

Partial Credit : मिलती-जुलती समस्या

No Credit : अन्य उत्तर/ असंगत/अस्पष्ट

2 Full Credit : अनाज, दलहन, प्याज़, आलू, कपास और अन्य फ़सलों की रिकॉर्ड पैदावार

Partial Credit : उपरोक्त फसलों में से कोई भी दो

No Credit : अन्य उत्तर/अस्पष्ट/असंगत

3 Full Credit : विपणन और भंडारण की समुचित व्यवस्था का अभाव, दामों का गिरना

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर /अस्पष्ट/असंगत

4 Full Credit : हर परिस्थिति में किसानों/मध्यम वर्ग का नुक़सान

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : सभी लोग सुखी व निरोगी हों

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

6 Full Credit : 941 वर्ष

No Credit : अन्य उत्तर

7 Full Credit : विषय से संबंधित ववविद्यार्थी की व्यक्तिगत सोच पर आधारित सभी उ त्तर मान्य होंगे।

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

स्त्रोत : इंटरनेट	कक्षा - 7	प्रतिमान-18
पाठ का प्रकार - गद्यांश	उप विषय - भूमंडलीय ऊष्मा अथवा ग्लोबल वार्मिंग	

सीखने के प्रतिफल :

- किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।
- अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।
- विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओ, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम चिह्नों एवं अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसा काल, क्रिया विशेषण, शब्द युग्म आदि का प्रयोग करते हैं।

प्रतिमान-18

भूमंडलीय ऊष्मण जिसे अंग्रेजी में 'ग्लोबल वार्मिंग' कहते हैं, आज धरती पर सबसे भयानक संकट है। भूमंडलीय ऊष्मण का अर्थ है पृथ्वी के तापमान में ग्रीनहाउस गैसों का बढ़ता प्रभाव, जिससे पृथ्वी का वातावरण दिनों-दिन गरमाता जा रहा है। भूमंडलीय ऊष्मण अर्थात ग्लोबल वार्मिंग के पीछे ग्रीन हाउस प्रभाव का विशेष योगदान है। सरल शब्दों में उसका अर्थ है पृथ्वी के वायुमंडल में कुछ विशेष गैसों की मात्रा का अधिक बढ़ जाना, जिसके प्रभाव से धरती से गर्मी बाहर ना निकल सके । इन गैसों में कार्बन डाइऑक्साइड ,मिथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, क्लोरोफ़्लोरोकार्बन और जलवाष्प प्रमुख हैं। भूमंडलीय ऊष्मण में कार्बन डाइऑक्साइड का सर्वाधिक योगदान है। वैज्ञानिकों के अनुसार 2050 तक कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा दोगुनी हो जाएगी और इससे पृथ्वी का औसत तापमान 1 से 35 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की संभावना है। संपूर्ण विश्व के मौसम में अद्भुत परिवर्तन हो रहे हैं। चीन के कुछ इलाकों में बाढ़, रूस में लू का चलना, ऑस्ट्रेलिया के कुछ भागों मे सूखा पड़ना, यूरोप के कुछ हिस्सों में बाढ़ के कारण जानमाल की अपूरणीय क्षति 'ग्लोबल वार्मिंग' के ही परिणाम हैं, साथ ही ओज़ोन परत

का क्षरण भी एक ज्वलंत समस्या है। ओजोन परत धरती के लिए एक सुरक्षा कवच का काम करती है। भूमंडली उष्मण से ग्लेशियरों का पिघलना शुरू हो चुका है और इससे अनेक वनस्पति और जीव जंतुओं का अस्तित्व संकट ग्रस्त हो गया है। हमारी कृषि पर भी इसका बहुत बुरा प्रभाव पड़ा है। अतः ग्लोबल वार्मिंग अथवा भूमंडलीय ऊष्मण के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए जीवाश्म ईंधन की खपत को कम करना चाहिए। वनों की अंधाधुंध कटाई न करके वृक्षारोपण करना चाहिए, तथा पवन और सौर ऊर्जा का उपयोग करना चाहिए ताकि वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा कम हो।

1. भूमंडलीय ऊष्मण से आप क्या समझते हैं?
2. ग्रीन हाउस प्रभाव क्या है?
3. ग्लोबल वार्मिंग के कुछ परिणाम लिखें व इसे कम करने के लिए आप क्या कदम उठाएंगे?
4. यदि विश्व मे 2018 मे कार्बनडाई ऑक्साइड की कुल मात्रा 38.2 बिलियन टन थी तो 2050 में यह मात्रा अनुमानत: कितनी हो जाएगी ?
5. ओज़ोन परत का हमारे जीवन मे क्या योगदान है ?
6. जीवाश्म ईंधन क्या होता है ? इसके बदले में कौन से ईंधन का उपयोग पर्यावरण हेतु सुरक्षित माना जाएगा?
7. ग्लेशियर कहाँ होते हैं? ये हमारे जीवन और कृषि के लिए क्यों उपयोगी हैं?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	रचनात्मक	औसत

4	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	कठिन
5	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
6	सृजन	वर्णनात्मक	कठिन
7	सृजन	तार्किक	कठिन

उत्तरमाला :

1 Full Credit : पृथ्वी के तापमान में ग्रीन हाउस गैसों का बढ़ता प्रभाव

Partial Credit : मिलता-जुलता अधूरा अर्थ

No Credit : अन्य उत्तर/ असंगत/अस्पष्ट

2 Full Credit : विशेष गैसों के बढ़ने से धरती की गर्मी का बाहर न निकलना

Partial Credit : मिलता जुलता अधूरा अर्थ

No Credit : अन्य उत्तर/अस्पष्ट/असंगत

3 Full Credit : बाढ़, सूखा, ओज़ोन परत का क्षरण

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर /अस्पष्ट/असंगत

4 Full Credit : दोगुनी, 76.4 बिलियन टन

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : सुरक्षा कवच का कार्य करना

Partial Credit : मिलता-जुलता उत्तर

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

6 Full Credit : उच्च दाब और ताप से बना इंधन, प्राकृतिक संसाधन (सौर ऊर्जा, जल ऊर्जा, पवन ऊर्जा)

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई एक

No Credit : अन्य उत्तर

7 Full Credit : ध्रुवीय क्षेत्र, पर्याप्त जल उपलब्ध करवाते हैं

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

स्त्रोत : नैतिक कहानी संग्रह	कक्षा - 7	प्रतिमान 19
पाठ का प्रकार - कहानी	उप विषय - बुद्धिमान राजा	

सीखने के प्रतिफल :

- किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।
- कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं जैसे - वर्णनात्मक, भावात्मक, प्रकृति-चित्रण आदि
- विभिन्न अवसरों /संदर्भों में कही जा रही थी दूसरों की बातों को अपने ढंग से लिखते हैं जैसे-अपने गांव की चौपाल की बातचीत या अपने मोहल्ले के लिए तरह-तरह के कार्य करने वालों की बातचीत।
- विभिन्न विषयों और उद्देश्यों के लिए लिखते समय उपयुक्त शब्दों, वाक्य संरचनाओ, मुहावरों, लोकोक्तियों, विराम चिह्नों एवं अन्य व्याकरणिक इकाइयों, जैसा काल, क्रिया विशेषण, शब्द युग्म आदि का प्रयोग करते हैं।

प्रतिमान 19

'राजनेय' बुद्धिमान राजा था। उसी राज्य में कल्लन नामक किसान रहता था। वह कड़ी मेहनत करके साल भर के लिए अन्न बचाकर शेष बाजार में बेचता। उससे उसे पैसे की अच्छी आय हो जाती जिसे वह बुरे वक्त के लिए बचाकर रखता था। इसी तरह जब काफी धन संचित हो गया, तब उसने देश भ्रमण की योजना बनाई, परंतु उसे विचार आया कि इतना धन देकर यात्रा पर जाना उचित नहीं है। अतः वह जुम्मन के घर गया। जुम्मन उस समय बकरियां चराने दो कोस दूर काली नदी के पास पहाड़ियों पर गया था। यात्रा में देरी न हो, अतः धन लेकर उसी स्थान के लिए चल दिया। जुम्मन बरगद के पेड़ के नीचे लेटा था। कल्लन ने कहा "-जुम्मन, जीवन भर की मेहनत तुम्हारे हवाले कर रहा हूं। आशा है, मेरी अमानत संभालकर रखोगे और लौटने पर वापस कर दोगे "जुम्मन धन लेते हुए बोला "-चिंता मत करो, यह मेरे पास वैसे ही

सुरक्षित रहेगा जैसा तुम्हारे पास। "कल्लन निश्चित चला गया। वापस आकर कल्लन ने धन मांगा, तो जुम्मन एकदम मुकर गया। मरता क्या न करता, हार कर कल्लन ने राजा की शरण ली। राजा ने जुम्मन को बुलाकर पैसे वापस करने को कहा। जुम्मन वहाँ भी साफ मुकर गया। राजा ने एक पल विचार कर, कल्लन से पूछा, "तुमने जब धन जुम्मन को दिया, वहां कोई गवाह था?" कल्लन घबराया, बोला, "मालिक विश्वास भी कोई चीज है। पहाड़ी पर बरगद के पेड़ के नीचे ऐसी सुनसान जगह पर गवाह कहाँ मिलता?"

"तो तुमने बरगद के पेड़ के सामने धन सौंपा था। ठीक है, मैं अभी दूध का दूध पानी का पानी कर देता हूँ। तुम लपक कर उस पेड़ की टहनी तोड़ लाओ, मैं उससे गवाही ले लूँगा।" "क्यों जुम्मन कैसा रहेगा?" राजा ने पूछा।

जुम्मन बोला- "हजूर किस पहाड़ी एवं पेड़ की बात कर रहे है? मैं तो वहां कभी गया तक नहीं।"

कल्लन को राजा की बुद्धिमानी पर भरोसा था। आदेश पाते ही वह भागा। काफी देर हो गई तो राजा ने जुम्मन से पूछा, "कल्लन को गए बहुत देर हो गई, कितना वक्त लगेगा वहाँ पहुंचने में?"

जुम्मन बोला - "हजूर पैदल गया है, दो कोस आने-जाने में आने 2 घंटे, लगेंगे ही"

राजा बोला- "ठीक कहते हो, पता नहीं बेचारा शाखा काट कर ला भी पाएगा"

"उस में क्या रखा है हजूर ? उस पेड़ की शाखाएँ तो जमीन छूती है कोई भी काट लाएगा।"

कल्लन शाखा लेकर उपस्थित हुआ राजा ने शाखा को देखा फिर जुम्मन से पूछा- "बरगद की गवाही हो चुकी है, तुम शीघ्र धन वापस कर दो, नहीं तो मृत्युदंड दिया जाएगा।"

जुम्मन, आश्चर्यचकित था। उसे विश्वास नहीं हो रहा था कि राजा सच्चाई इस तरह उगलवा लेंगे। उसने चुपचाप वह धन लाकर दे दिया।

1. कल्लन कहाँ जाना चाहता था?

2. आधुनिक समय में हम अपनी जमा-पूँजी कहाँ रखते है और क्यों?

3. राजा के न्याय का आधार क्या था?

4. जुम्मन सरेआम मुकर जाता है कि "मैं तो वहां कभी गया तक नहीं "जुम्मन की तरह झूठ गढ़े जाने वाले कुछ बहाने और लिखो।

5. जुम्मन सात दिन तक बकरियां चराने 2 कोस दूर काली नदी के पास पहाड़ियों पर जाता रहा। यदि 2 कोस 3½ किलोमीटर के बराबर है तो बताएं जुम्मन ने 7 दिनों में कितनी दूरी तय की?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	विवेचन	तार्किक	औसत
3	सृजन	तार्किक	कठिन
4	विवेचन	तथ्यात्मक	औसत
5	विश्लेषण	तुलनात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1 Full Credit : देश भ्रमण

Partial Credit : घूमना इत्यादि शब्द

No Credit : अन्य उत्तर/ असंगत/अस्पष्ट

2 Full Credit : बैंकों में, सुरक्षा संबंधित कारणों से

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर/अस्पष्ट/असंगत

3 Full Credit : बरगद का वृक्ष

Partial Credit : केवल पेड़

No Credit : अन्य उत्तर /अस्पष्ट/असंगत

4 Full Credit : विद्यार्थी कुछ बहाने लिखेंगे

Partial Credit : कोई भी एक बहाना

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : 24.5 किलोमीटर

No Credit : अन्य उत्तर

स्त्रोत : पत्रिका	कक्षा - 7	प्रतिमान 20
पाठ का प्रकार - गद्यांश	उप विषय - भारतीय ऋषि मुनि व वैज्ञानिक	

सीखने के प्रतिफल :

- विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं।
- किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।
- विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्राकृतिक मुद्दो/घटनाओं के प्रति अपनी तार्किक प्रतिक्रिया देते हैं। जैसे -जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाजों के बारे में मौखिक रूप से अपनी तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं।
- हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री समाचार-पत्र /पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं।

प्रतिमान 20

भारत की धरती को ऋषियों, मुनियों और देवताओं की भूमि माना जाता है। यह भूमि कई तरह के अद्भुत ज्ञान व चमत्कारों से भरी है। हमारे ऋषि मुनियों ने घोर तप व संयम से वेदों में छिपे इस गूढ़ ज्ञान व विज्ञान को हमारे समक्ष प्रस्तुत किया है। कुदरत से जुड़े कई रहस्य उजागर किए हैं। ऐसे अद्भुत ज्ञान के आगे आज का विज्ञान भी नत-मस्तक है। आइए, आज हम कुछ प्राचीन ऋषियों मुनियों व वैज्ञानिकों के रहस्य को जानें जिन रहस्यों से हम सब अब तक अनजान होंगे।

आर्य भट्ट: आर्य भट्ट विशेष खगोलज्ञ और गणितज्ञ व ज्योतिषविद थे। इन्होंने 120 आर्य छंदों में ज्योतिष शास्त्र के अनेक सिद्धांतों जैसे अंक गणित, बीजगणित और त्रिकोणमिति के 33 नियमों को अपनी रचना आर्यभटीयम में प्रतिपादित किया। कोपरनिकस से लगभग 1

हज़ार साल पहले ही आर्य भट्ट ने यह खोज कर ली थी कि पृथ्वी गोल है और अपने अक्ष पर घूमती है।

चरक महर्षि : चरक महर्षि वैद्य पितामह एवं आयुर्वेद विशारद के रूप में विख्यात हैं। इनके द्वारा रचित चरक संहिता भारतीय चिकित्सा विज्ञान का मानक ग्रंथ है। चरक जी ने भ्रूण की उत्पत्ति एवं विकास मानव शरीर की रचना विज्ञान शरीर की कार्यविधि तथा अवस्था जैसे विषयों की विवेचना की। चरकसंहिता एक विशाल ग्रंथ है मधुमेह, टी.बी.एवं अन्य हृदय संबंधी रोग एवं उनकी चिकित्सा की भी पूरी-पूरी जानकारी मिलती है।

महर्षि भारद्वाज : भारद्वाज जी पहले विमान शास्त्री है जिन्होंने अगस्त्य के समय के विद्युत ज्ञान को और भी ज़्यादा बढ़ाया। 1875 में इनके द्वारा रचित विमान शास्त्र में विमान की परिभाषा, विमान का पायलट आकाश मार्ग, वैमानिक के कपड़े, विमानों के पुर्ज़े, यन्त्र बनाने की विभिन्न धातुएँ व विमान चलाने के 32 रहस्य भी बताए गए हैं।

भास्कराचार्य : प्राचीन भारत के एक प्रसिद्ध गणितज्ञ एवं ज्योतिषी थे। इनके द्वारा रचित मुख्य ग्रंथ 'सिद्धान्त शिरोमणि' गणित ज्योतिषी के विकास पर एक संपूर्ण ग्रंथ है। इन्होंने गुरुत्वाकर्षण के बारे में लिखा है कि पृथ्वी आकाशीय पदार्थों की विशिष्ट शक्ति से अपनी ओर खींचती है तथा गुरुत्वाकर्षण के कारण आकाशीय पिंड पृथ्वी पर गिरते हैं। आधुनिक युग में चाहे गुरूत्वाकर्षण शक्ति की खोज का श्रेय न्यूटन को दिया जाता है परंतु उसका रहस्य न्यूटन से कई सदियों पहले भास्कराचार्य ने उजागर कर दिया था। तो अभी हमने भारत के महान आविष्कारकों के बारे में जाना।

1-गुरुत्वाकर्षण की शक्ति के आविष्कार का श्रेय किसे मिलता है, किस भारतीय ऋषि ने सदियों पहले इसे खोज निकाला था?

2-विमान चलाने के कितने रहस्य तथा किसके द्वारा बताए गए हैं?

3-चरक महर्षि किस क्षेत्र में विख्यात हैं?

4-जब लिफ़्ट ऊपर की ओर जाती है तो लिफ़्ट में स्थित पिंड का भार बढ़ेगा या घटेगा बताएँ?

5-पृथ्वी अपने अक्ष पर घूमते हुए कितने समय में एक चक्कर पूरा करती है ?

6-शिक्षा के क्षेत्र में विकास के लिए आप कौन सा नवीन आविष्कार करना चाहोगे ?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
4	विवेचन	तार्किक	औसत
5	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
6	सृजन	वर्णनात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1 Full Credit : न्यूटन, भास्कराचार्य जी ने

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर/ असंगत/अस्पष्ट

2 Full Credit : 32, महर्षि भारद्वाज

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर/अस्पष्ट/असंगत

3 Full Credit : वैदय पितामाह, आयुर्वेद विशारद

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर /अस्पष्ट/असंगत

4 Full Credit : कोई परिवर्तन नहीं होता, पिंड का भार शून्य रहेगा

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : 23 घंटे, 56 मिनट, 4.09 सेकेंड

Partial Credit : लगभग 24 घंटे

No Credit : अन्य उत्तर

6 Full Credit : हाँ, तर्क सहित

Partial Credit : हाँ, तर्क रहित

No Credit : अन्य उत्तर

स्त्रोत : इंटरनेट	कक्षा - 7	प्रतिमान 21
पाठ का प्रकार - गद्यांश	उप विषय - पर्यावरण संतुलन	

सीखने के प्रतिफल :

- विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं।
- किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।
- हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री)समाचार-पत्र /पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि (को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं।
- अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।

प्रतिमान 21

प्रारंभ से ही प्रकृति और मनुष्य का अटूट संबंध रहा है। प्रकृति ने मानव के लिए जीवन दायक तत्वों को उत्पन्न किया। मनुष्य ने वृक्षों के फल, बीज, जड़े आदि खाकर अपनी भूख मिटाई ।इस प्रकार पेड़- पौधे हमारे मित्र ही नहीं जीवन दाता भी हैं। पेड़-पौधे केवल हमें भोजन ही प्रदान नहीं करते अपितु जीवनदायिनी वायु ऑक्सीजन भी प्रदान करते हैं। यह वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को ग्रहण करते हैं और ऑक्सीजन बाहर निकालते हैं। पृथ्वी पर हरियाली के स्त्रोत पेड़-पौधे ही हैं। मनुष्य ने अपने स्वार्थ के लिए तथा अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वन संपदा का अंधाधुंध दोहन किया है। जिसके कारण प्राकृतिक असंतुलन उत्पन्न हो गया है। पर्यावरण में ऑक्सीजन की कमी और कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ोतरी हो गई है। यहां अनेक प्रकार का प्रदूषण उत्पन्न हो गया है। प्रदूषण से अनेक प्रकार की घातक बीमारियां बढ़ रही है। अभी भी वृक्षों की कटाई जारी है। वृक्षों की अंधाधुंध कटाई करके हम अपने पैरों में स्वयं कुल्हाड़ी मार रहे हैं। यहां वातावरण संतुलन के हिसाब से 33% भाग पर वन होने चाहिए परंतु

यहां केवल 19 प्रतिशत भाग पर वन है। इस पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेक आंदोलन चलाए गए। चिपको आंदोलन वन संरक्षण अभियान का साहसिक कदम है। पर्यावरण संतुलन के लिए हमें वृक्ष काटने की बजाए वृक्ष लगाने चाहिए। प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति को एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए और उसका संरक्षण भी करना चाहिए। हमें योजनाबद्ध तरीके से वृक्षारोपण करके वन संरक्षण करना चाहिए। वन संरक्षण हमारा पुनीत कर्तव्य है।

1. प्रारंभ से ही प्रकृति और मनुष्य का संबंध कैसा रहा है ?
2. पर्यावरण संतुलन के हिसाब से धरती पर कितने प्रतिशत भाग पर वन होने चाहिए पर नहीं है ?
3. प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति एक वृक्षारोपण का संकल्प लेता है तो 85 लोगों के हिसाब से 15 साल में कितने वृक्ष लगेंगे?
4. चिपको आंदोलन कब और किसने शुरू किया ?
5. प्राकृतिक असंतुलन का कारण नहीं है -

   क-वन संपदा का अंधाधुंध दोहन ख-ऑक्सीजन की कमी

   ग-कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ोतरी घ-वर्षा जल का सदुपयोग।
6. पर्यावरण, वृक्षारोपण शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए।
7. आप प्रतिवर्ष अपने जन्म दिवस के लिए बहुत उत्साहित होते हैं इस विशेष दिवस पर आप पर्यावरण को क्या उपहार देना चाहेंगे?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सृजन	तार्किक	औसत
2	विश्लेषण	तुलनात्मक	औसत
3	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
4	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	कठिन

5	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
6	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन
7	सृजन	तार्किक	कठिन

उत्तरमाला :

1 Full Credit : जीवन दाता व जीवन ग्राहक के रूप में

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर/ असंगत/अस्पष्ट

2 Full Credit : 33% भाग पर वन होने चाहिएँ, 19% भाग पर वन नहीं हैं।

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर/अस्पष्ट/असंगत

3 Full Credit : 1275 वृक्ष

No Credit : अन्य उत्तर

4 Full Credit : 1974 में, सुंदरलाल बहुगुणा

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : घ) वर्षा जल का सदुपयोग

No Credit : अन्य उत्तर

6 Full Credit : विद्यार्थियों के विचार मान्य होंगे

No Credit : अन्य उत्तर

स्रोत - पाठ्य पुस्तक - वसंत भाग-दो	कक्षा - 7	प्रतिमान 22
पाठ का प्रकार - गदयांश	उप विषय - कंचा	

सीखने के प्रतिफल :

- विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं।
- विविध कलाओं, जैसे प्रयोग होने वाली भाषा के बारे में जिज्ञासा व्यक्त करते हैं, उन्हें समझने का प्रयास करते हैं।
- हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री समाचार-पत्र /पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट प्रकाशित होने वाली सामग्री आदि को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद-नापसंद के पक्ष में लिखित या ब्रेल भाषा में अपने तर्क रखते हैं।
- भीत्ति पत्रिका/पत्रिका आदि के लिए तरह-तरह की सामग्री जुटाते हैं, लिखते हैं और उनका संपादन करते हैं।

प्रतिमान 22

अप्पू की शंका अभी दूर नहीं हुई थी। वह सोच रहा था-क्या जार्ज को साथ ले चलने पर दुकानदार कंचा नहीं देगा? अगर खरीदना ही पड़े तो कितने पैसे लगेंगे?

रामन ने मास्टर जी से सवाल किया और उसे सवाल का जवाब मिला।

अम्मिणि ने शंका का समाधान कराया ।

कई छात्रों ने यह दोहराया।

"अप्पू, क्या सोच रहे हो?"

मास्टरजी ने पूछा।

" हूँ, पूछ लो न? शंका क्या है?"

शंका जरूर है।

क्या जॉर्ज को साथ ले चलने पर दुकानदार कंचे देगा? नहीं तो कितने पैसे लगेंगे? क्या पांच पैसे में मिलेगा, दस पैसे में?

"क्या सोच रहे हो?"

" पैसे?"

"क्या?"

"कितने पैसे चाहिए"!

"किसके लिए?"

वह कुछ नहीं बोला।

हरी लकीर वाले सफेद गोल कंचे उसके सामने से फिसलते गए।

मास्टर जी ने पूछा।

"क्या रेलगाड़ी के लिए?"

उसने सर हिलाया।

"रेलगाड़ी को पैसे से खरीद नहीं सकते। अगर मिले तो उसे लेकर क्या करेगा?"

वह खेलेगा। जॉर्ज के साथ खेलेगा।

रेल गाड़ी नहीं, कंचा।

चपरासी एक नोटिस लाया।

मास्टर जी ने कहा,"जो फीस लाए है, वे ऑफिस जा कर जमा कर दे। "

बहुत से छात्र गए।

राजन ने जाते-जाते अप्पू के पैर में चिकोटी कट ली।

उसने पैर खींच लिया।

उसे याद आया। उसे भी फीस जमा करनी है। पिताजी ने उसे डेढ़ रुपया इसके लिए दिया है।

उसने अपनी जेब टटोल कर देखा-

एक रुपये का नोट और पचास पैसे का सिक्का। वह बेंच से उतरा।

" किधर?" मास्टर जी ने पूछा।

उसके कंठ से खुशी के बुलबुले उठे।

"फीस देनी है। "

"फीस मत देना।" मास्टर ने कहा।

वह झिझकता रहा।

" ऑन दि बेंच।"

वह बेंच पर चढ़कर रोने लगा।

"क्या भविष्य में कक्षा में ध्यान से पढ़ेगा?"

1. मास्टर किसके बारे में बता रहे थे?
2. अप्पू का ध्यान किस तरफ था?
3. पहली रेलगाड़ी का आविष्कार किसने और कब किया ?
4. अगर एक महीने की फीस ₹1750 है तो पूरे साल की फीस कितनी होगी?
5. यातायात के साधनों की सूची बनाइए।
6. दुकानदार एक दर्जन कंचे ₹24 में देता है परंतु अप्पू को सिर्फ 7 कंचे लेने हैं तो वह कितने रुपए दुकानदार को देगा?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	विवेचन	तार्किक	कठिन
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन
5	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
6	विश्लेषण	तार्किक	कठिन

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा सातवीं) भाग - 1

उत्तरमाला :

1 Full Credit : रेल गाड़ी

No Credit : अन्य उत्तर

2 Full Credit : कंचों की ओर

No Credit : अन्य उत्तर

3 Full Credit : 1825, जॉर्ज स्टीफेंस

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर

4 Full Credit : ₹21000

No Credit : अन्य उत्तर

5 Full Credit : घ) सड़क यातायात /वायु यातायात /जल यातायात उदाहरण सहित

Partial Credit : केवल नाम

No Credit : अन्य उत्तर

6 Full Credit : ₹14

No Credit : अन्य उत्तर

स्रोत - पाठ्य पुस्तक - वसंत भाग-दो	कक्षा - 7	प्रतिमान 23
पाठ का प्रकार - गदयांश	उप-विषय -आश्रम का अनुमानित व्यय	
सीखने के प्रतिफल : • किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं। • सरसरी तौर पर किसी पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी उपयोगिता के बारे में बताते हैं। • पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। • विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों जैसे जाति, धर्म, रंग, लिंग, रीति-रिवाजों के बारे में लिखित रूप से तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं।		

प्रतिमान 23

दक्षिण अफ्रीका से लौटकर गांधीजी ने अहमदाबाद में एक आश्रम की स्थापना की। अहमदाबाद में स्थित आश्रम का संविधान स्वयं गांधीजी ने तैयार किया था। आरंभ में आश्रम में 40 लोग होंगे। कुछ समय में इस संख्या के 50 हो जाने की संभावना है। हर महीने औसतन 10 अतिथियों के आने की संभावना है। इनमें तीन या पांच सपरिवार होंगे, इसलिए स्थान की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि परिवार वाले लोग अलग रह सके और शेष एक साथ।

इसको ध्यान में रखते हुए तीन रसोईघर हो और मकान कुल 50000 वर्ग फुट क्षेत्रफल में बने तो सब लोगों के लायक जगह हो जाएगी। इसके अलावा 3000 पुस्तकें रखने लायक पुस्तकालय और अलमारियां होनी चाहिए। कम से कम 5 एकड़ जमीन खेती करने के लिए चाहिए, जिसमें कम से कम 30 लोग काम कर सके, इतने खेती के औजार चाहिए। इनमें कुदालिओं, फावडों और खुरपों की जरूरत होगी। बढ़ईगिरी के निम्नलिखित औजार भी होने चाहिए। पांच बड़े हथौड़े, तीन बसूले, पांच छोटी हथौड़ी, दो एरन, तीन बम, दस छोटी-बड़ी

छेनियां, चार रंदे, एक सालनी, चार केतिया, चार छोटी-बड़ी बेधनियाँ, चार आरियाँ, पांच छोटी बड़ी संडासियाँ, बीस रतल कीलें छोटी और बड़ी, एक मोंगरा, मोची के औजार ।

मेरे अनुमान से इन सब पर कुल पांच रुपए खर्चा आएगा। रसोई के लिए आवश्यक सामान पर एक सौ पचास रुपए खर्च आएगा। स्टेशन दूर होगा तो सामान को या मेहमानों को लाने के लिए बैलगाड़ी चाहिए। मैं खाने का खर्च दस रुपए मासिक प्रति व्यक्ति लगाता हूं। मैं नहीं समझता कि हम यह खर्च पहले वर्ष में निकाल सकेंगे। वर्ष में औसतन पचास लोगों का खर्च छ हज़ार रुपए आएगा।

मुझे मालूम हुआ कि प्रमुख लोगों की इच्छा यह है कि अहमदाबाद में यह प्रयोग एक वर्ष तक किया जाए। यदि ऐसा हो तो अहमदाबाद को ऊपर बताया गया सब खर्च उठाना चाहिए। मेरी मांग तो यह भी है कि अहमदाबाद मुझे पूरी जमीन और मकान सभी दे दे तो बाकी खर्च में कहीं ओर से या दूसरी जगह जुटा लूंगा। अब विचार बदल गया है, इसलिए ऐसा लगता है कि एक वर्ष या इससे कुछ कम दिनों का खर्च अहमदाबाद को उठाना चाहिए। यदि अहमदाबाद एक वर्ष के खर्च का उठाने के लिए तैयार ना हो तो ऊपर बताए गए खाने के खर्च का इंतजाम मैं कर सकता हूं ।क्योंकि मैंने खर्च का यह अनुमान जल्दी में तैयार किया है, इसलिए यह संभव है कि कुछ मदे मुझसे छूट गई हो। इसके अतिरिक्त खाने के खर्च के सिवा मुझे स्थानीय स्थितियों की जानकारी नहीं है। इसलिए मेरे अनुमान में भूले भी हो सकती हैं।

1. आश्रम की स्थापना किसने और कहां की?
2. आश्रम में खाने का खर्च महीने में प्रति व्यक्ति कितना लगता है ?
3. उपरोक्त गद्यांश में बढ़ईगिरी के औजारों की कुल संख्या कितनी है?

   क) 80 ख) 54 ग) 71 घ) 50
4. 'पुस्तकालय' शब्द का संधि विच्छेद कीजिए ।

5. पुस्तकालय के कोई तीन लाभ बताइए ।

6. आश्रम में हर महीने दस अतिथियों के खर्चे की लागत ₹5000 है यदि 450 अतिथि हर महीने आने लगे तो कितना खर्च होगा?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	विवेचन	तार्किक	कठिन
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन
5	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
6	विश्लेषण	तार्किक	कठिन

उत्तरमाला :

1 Full Credit : महात्मा गांधी, अहमदाबाद

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर

2 Full Credit : 10 रुपए प्रति व्यक्ति

No Credit : अन्य उत्तर

3 Full Credit : ग) 71

No Credit : अन्य उत्तर

4 Full Credit : पुस्तक +आलय

No Credit : अन्य उत्तर

5 Full Credit : पुस्तकों का भंडार, शांत वातावरण, विभिन्न विषयों की उपलब्धता इत्यादि

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर

6 Full Credit : ₹2,25,000

No Credit : अन्य उत्तर

स्त्रोत : इंटरनेट	कक्षा - 7	प्रतिमान 24
पाठ का प्रकार - गद्यांश	उप विषय - समय का महत्व	
सीखने के प्रतिफल : • किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं। • पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतरतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं, परिचर्चा करते हैं। • विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों जैसे जाति, धर्म, रंग, लिंग, रीति-रिवाजों के बारे में लिखित रूप से तार्किक समझ अभिव्यक्त करते हैं।		

प्रतिमान 24

समय रहते ही कार्य का महत्व है। समय बीत जाने पर किसी का कुछ महत्त्व नहीं रहता। इस संसार में सबसे अमूल्य वस्तु है-'समय' जो इसे नष्ट करता है, वह स्वयं नष्ट हो जाता है। संसार में सभी चीजों को घटाया-बढ़ाया जा सकता है। परंतु समय को नहीं। कबीर के अनुसार जो लोग दिन खाने-पीने में रात सो कर गुजारा देते हैं। वे अपने हीरे जैसे अमूल्य जीवन को कौड़ी के बदले बेच देते। ऐसे लोगों को उस समय पछताना पड़ता है जब समय उनके हाथ से निकल जाता है। वह हाथ मल कर पश्चाताप के कड़वे फल चखते रह जाते हैं। किसी ने ठीक ही कहा है कि समय तथा समुद्र की लहरें किसी की प्रतीक्षा नहीं करती। हमें सदैव यह भी ध्यान रखना चाहिए कि समय की दुनिया में अमीर-गरीब, ऊंच-नीच का भेद-भाव नहीं है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने भी समय के महत्व को जाना है वह सफलता की सीढ़ियां चढ़ा है। विद्यार्थी जीवन में समय का अपना ही महत्व है। कबीर जी ने कहा है-

"काल करे सो आज कर, आज करे सो अब।

पल में प्रलय होएगी, बहुरि करेगा कब।।"

औरंगजेब ने अपने वसीयतनामा में लिखा है-जो व्यक्ति एक पल भी गफलत में गवां देता है वह सारी उम्र पछताता है। गांधी जी कहा करते थे- समय मित्रों के रूप में हमारे सामने आता है और प्रकृति की अमूल्य भेंट लाता है। अगर हम उनका उपयोग न करें तो वे चुपचाप लौट जाएंगे। समय निकल जाने पर परिश्रम का कोई महत्व है ही नहीं। पूरा वर्ष कामना करके यदि आप सोचें कि फेल हुए बिना रह जाएंगे, तो यह गलत धारणा है फिर केवल पछताना ही रह जाता है। प्रसिद्ध कवि और नाटककार शेक्सपियर ने अपने प्रसिद्ध नाटक जूलियस सीजर में एक स्थान पर कहा है -There is a tide of time अर्थात हर व्यक्ति के जीवन में समय की एक लहर आया करती है, जो उस लहर को पहचान कर पकड़ आने में सफल हो जाया करता है वह कभी भी किसी से पीछे नहीं रहता और इस दृष्टि से कभी भी सोचने की जरूरत नहीं पड़ती कि 'का वर्षा जब कृषि सुखाने'।

1. इतिहास किस बात का साक्षी है?
2. औरंगजेब ने अपने वसीयतनामा में क्या लिखा?
3. 'का वर्षा जब कृषि सुखाने' का भाव स्पष्ट कीजिए।
4. समय-सारणी बनाते हुए अपने दिनचर्या का उल्लेख कीजिए।
5. यदि जून के महीने में आपने रोज 45 मिनट हिंदी विषय पढ़ा तो, पूरे महीने में कितने घंटे और मिनट हिंदी विषय को दिए ?
6. 'हाथ मलना' मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	सृजन	व्याख्यात्मक	कठिन
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन

5	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
6	सृजन	वर्णनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1 Full Credit : समय के महत्व को जानने वाला सफल होता है

Partial Credit : मिलता-जुलता उत्तर

No Credit : अन्य उत्तर

2 Full Credit : जो व्यक्ति एक पल भी गफलत में गंवा देता है, वह सारी उम्र पछताता है

Partial Credit : अधूरी पंक्ति पर

No Credit : अन्य उत्तर

3 Full Credit : खेती के सूख जाने पर वर्षा का क्या लाभ

Partial Credit : मिलता-जुलता अर्थ

No Credit : अन्य उत्तर

4 Full Credit : समयसारिणी, दिनचर्या का उल्लेख

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर

5 Full Credit : 22 घंटे 50 मिनट

Partial Credit : 1350 मिनट , 22.50 घंटे

No Credit : अन्य उत्तर

6 Full Credit : अर्थ- पछताना और वाक्य

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर

स्त्रोत : समाचार पत्र	कक्षा - 7	प्रतिमान 25
पाठ का प्रकार - गद्यांश	उप विषय - बाल मजदूरी	

सीखने के प्रतिफल :

- किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखन द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उसकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।
- किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पढ़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री जैसे -शब्दकोष , मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं।
- अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।
- भीत्ति पत्रिका/पत्रिका आदि के लिए तरह-तरह की सामग्री जुटाते हैं, लिखते हैं और उनका संपादन करते हैं।

प्रतिमान 25

बाल मजदूरी से अभिप्राय है- कम आयु के बच्चों से उनका बचपन छीन कर उनसे जबरन काम करवाना। आज यह समस्या देश के लिए अभिशाप बन गई है। भूख, गरीबी, लाचारी ही बाल मजदूरी को जन्म देती है। 16-16 घंटे काम करने के बाद भी दो वक्त की पेट भर रोटी न मिलना, मालिकों की बर्बरता और अत्याचार को सहना आज के बाल -श्रमिकों की दास्तां बन चुकी है। जिस उम्र में बच्चों को खेल कूद और पढ़ना होता है, उस उम्र में गरीब बच्चों को विवश होकर होटलों, ढाबों, मिलों, दुकानों या घरों में जाकर मेहनत करनी पड़ती हैं। दुनिया थक कर सो जाती है किंतु यह बाल श्रमिक अपने दुख-दर्द और बाल्यकाल की अठखेलियां को भूल भूखे पेट तन्हाइयों में खो जाते हैं। अति तो तब होती है जब बीमार होने पर भी बख्शा नहीं जाता। इस पर भी बची-खुची जूठन ही उनके नसीब में होती है। इस पर भी माह के अंत में पूरा वेतन न मिलना कई कई बार तो मालिक जानबूझकर दो-दो तीन-तीन महीने का वेतन नहीं

देते ताकि उनके यह सस्ते नौकर काम छोड़कर भाग न जाए। ऐसा दयनीय जीवन होता है इन बाल मजदूरों का।

पंडित जवाहरलाल नेहरू का बच्चों के प्रति अनूठे प्रेम ने बाल दिवस)14 नवंबर (को जन्म दिया था लेकिन इन बाल श्रमिकों को देखकर शायद नेहरू जी की आत्मा भी रोती होगी। ऐसा नहीं कि बाल मजदूरी समाप्त करने के लिए सरकार ने कोई कानून न बनाया हो। शिक्षा का अधिकार कानून 2009 और सर्व शिक्षा अभियान जैसी योजनाएं भारत में बाल मजदूरी जैसी बुराई से निपटने के लिए ही बने हैं। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर संगठन ने भी 2016 तक पूरी दुनिया से बाल मजदूरी को खत्म करने का लक्ष्य दिया था। विश्व भर में 12 जून को बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस मनाया जाता है लेकिन सरकार के बड़े बड़े ठेकेदार स्वयं इस कानून को ठेंगा दिखाते नजर आते हैं। आज सरकार के साथ-साथ प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि जहां भी कोई बाल श्रमिक देखा या पाया जाता है तुरंत उसके मालिक पर ठोस कार्रवाई करने में अपना कर्तव्य निभाएं। बच्चे देश के भविष्य हैं, कल के नेता हैं, देश के कर्णधार हैं और हमारे गले के हार हैं। इन्हें पढ़ाया जाना चाहिए। बाल श्रम से बचाना चाहिए ।

1. बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस कब मनाया जाता है ?
2. बाल श्रमिक का बाल्यकाल कैसा होता है?
3. बाल मजदूरी समाप्त करने के लिए आप क्या सुझाव देना चाहेंगे ?
4. बाल दिवस किस महापुरुष के जन्म दिवस के अवसर पर मनाया जाता है?

   क) महात्मा गांधी ख) पंडित जवाहर लाल नेहरू

   ग) डा॰ बी॰ आर॰ अंबेडकर घ) लाल बहादुर शास्त्री
5. यदि मजदूर का 15 दिन का वेतन ₹35 है 105 दिन का वेतन कितना होगा?

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा सातवीं) भाग - 1

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	सृजन	वर्णनात्मक	कठिन
4	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
5	विश्लेषण	तथ्यात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1 Full Credit : 12 जून

No Credit : अन्य उत्तर

2 Full Credit : दयनीय, दुखों से भरा

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर

3 Full Credit : विद्यार्थियों द्वारा दिए गए दो या अधिक सुझाव

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर

4 Full Credit : ख) पंडित जवाहर लाल नेहरू

No Credit : अन्य विकल्प

5 Full Credit : ₹245

No Credit : अन्य उत्तर